वर्ष 24, अंक 265, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 4 अप्रैल 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

# लड़ाकू विमान गिराने की यूएस ने की पुष्टि

## तलाश में ईरान घुसी एयरफोर्स, ईरानी मीडिया बोली- पकड़ लो, मिलेगा इनाम

**ईरान**

**मिडिल** ईस्ट में जारी तनाव के बीच हालात लगातार उलझते जा रहे हैं और अब लड़ाकू विमानों को लेकर दावों-प्रतिदावों की जंग भी तेज हो गई है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के नेतृत्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब सीधे सैन्य टकराव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है.

ताजा घटनाक्रम में शुक्रवार को अमेरिका ने पुष्टि की है कि उसका एक लड़ाकू विमान ईरान में गिरा है, हालांकि रिपोर्ट्स में इसे ऋ 15 बताया जा रहा है. इस विमान में सवार पायलट का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई है. पायलट की तलाश के लिए अमेरिकी एयरफोर्स ने ईरान के अंदर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है. न्यूयॉर्ट टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि अमेरिकी आर्मी के जवान ईरान पहुंचकर सर्च अभियान और बचाव में लग गई है.

पायलट की तलाश में ईरान घुसी यूएस आर्मी ईरान की ओर से पहले यह दावा किया गया कि उसने अमेरिकी ऋ35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है. इसके बाद कुछ रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया कि एक अमेरिकी ऋ15ए विमान को भी निशाना बनाया गया है, जिससे स्थिति और ज्यादा संवेदनशील बन गई है.

ईरानी सरकारी मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ऋ35 विमान सेंट्रल ईरान में गिराया गया और उसके पायलट के बचने की संभावना बेहद कम है. वहीं, कुछ अन्य रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि पायलट को जिंदा पकड़ लिया गया है और उसे बंधक बना लिया गया है. हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है.

दूसरी ओर, अमेरिका की तरफ से इन दावों पर स्पष्ट और विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन अगर ये दावे सही साबित होते हैं तो यह संघर्ष को और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर ले जा सकता है. फिलहाल पायलट की स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है.

यूएस लड़ाकू विमान गिराने का दावा

ईरान के मीडिया के अनुसार दक्षिणी ईरान के खुजेस्तान प्रांत में Islamic Revolutionary Guard Corps और अमेरिकी स्पेशल फोर्स के बीच आमना-सामना हो गया है, जहां दोनों पक्षों के बीच फायरिंग की खबर सामने आई है. इससे पहले यह भी दावा किया गया था कि अमेरिकी हेलीकॉप्टरों ने एक ईरानी सैन्य काफिले पर हमला किया, जो कथित तौर पर उस इलाके की ओर बढ़ रहा था जहां अमेरिकी पायलट के होने की आशंका थी.

वहीं समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, एक स्थानीय ईरानी चैनल ने दावा किया कि दक्षिण-पश्चिमी इलाके में अमेरिकी ऋ15ए जेट के पायलट ने खुद को इजेक्ट कर लिया. चैनल पर एंकर ने लोगों से अपील भी की कि अगर कोई उस दुश्मन पायलट को पकड़ता है, तो उसे पुलिस के हवाले करें. इसके बदले इनाम देने की बात भी कही गई.

अमेरिकी हेलिकॉप्टर मारने का दावा

Tasnim News Agency के मुताबिक, ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम ने अमेरिकी UH-60 Black Hawk हेलिकॉप्टर को इराकी एयरस्पेस में मार गिराने का दावा किया है. हालांकि, यह जानकारी अभी केवल ईरानी और कुछ इराकी मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है और इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. Iraq के मीडिया में भी इस तरह की अपुष्ट खबरें चल रही हैं, लेकिन न तो United Statesऔर न ही किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है।

### डोनाल्ड ट्रंप ने दी वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस को नई जिम्मेदारी

**अमेरिका** के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. ट्रंप ने उन्हें अमेरिका में 'FRAUD' का इंचार्ज बना दिया है. उन्होंने बताया है कि वेंस अमेरिका में बड़े स्तर पर फैले करप्शन और धांधली को खत्म करने के लिए ट्रंप प्रशासन के महान लोगों के साथ मिलकर काम करेंगे.

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सोशल ट्रुथ पर लिखा, 'उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अब संयुक्त राज्य अमेरिका में फैले "FRAUD" के इंचार्ज हैं. अमेरिका में फ्रॉड बड़े स्तर पर फैला हुआ है और ट्रंप प्रशासन के कई महान लोगों के साथ मिलकर वह जो काम करेंगे, वह हमारे देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.'

यूएस प्रेसिडेंट ने आगे कहा कि हम जेडी वेंस को 'फ्रॉड का सरगना' कहेंगे और उनका फोकस हर जगह होगा, लेकिन मुख्य रूप से उन डेमोक्रेटिक राज्यों पर होगा, जिनमें कैलिफोर्निया, इलिनोइस, मिनेसोटा, सोमालिया, न्यूयॉर्क और कई अन्य राज्यों के भ्रष्ट डेमोक्रेटिक राजनेताओं ने करदाताओं के पैसे की अभूतपूर्व चोरी की है. आंकड़े इतने बड़े हैं कि अगर वे सफल होते हैं तो हम सचमुच अपने अमेरिकी बजट को संतुलित कर पाएंगे।

# एक छात्र को राहत, लाखों को झटका!

**नई दिल्ली**

**सुप्रीम** कोर्ट ने पारित अपने आदेश में संशोधन किया है, जिसके तहत लगभग 2.21 लाख उम्मीदवारों को राजस्थान सब-इंस्पेक्टर (एसआई)/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा 2025 में अस्थायी रूप से परीक्षा देने की अनुमति देकर राहत प्रदान की गई थी। पिछला आदेश एक उम्मीदवार, सूरज मल मीना द्वारा दायर याचिका पर पारित किया गया था, जिन्होंने 5-6 अप्रैल को निर्धारित परीक्षा में शामिल न हो पाने के आधार पर परीक्षा को कम से कम चार सप्ताह के लिए स्थगित करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की विशेष पीठ ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछले आदेश में संशोधन किया, जिसमें आयोग ने परीक्षा में इतने उम्मीदवारों को समायोजित करने में असमर्थता व्यक्त की थी। परिणामस्वरूप, न्यायालय ने राहत केवल मूल आवेदक, सूरज मल मीना तक ही सीमित रखी, अन्य उम्मीदवारों को नहीं। न्यायालय ने तर्क दिया कि मीना के अलावा, किसी अन्य उम्मीदवार ने इसी तरह की राहत के लिए उससे संपर्क नहीं किया था। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शेष उम्मीदवार राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा इस मुद्दे पर अपना फैसला सुनाए जाने के बाद न्यायालय से संपर्क करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

### गरीबी के दावे भ्रामक

**केरल**

**कांग्रेस** सांसद केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को केरल की सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार पर गरीबी उन्मूलन को लेकर बार-बार भ्रामक दावे करने और सामाजिक कल्याण उपायों से जुड़े चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला। शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए वेणुगोपाल ने कहा, उन्होंने दावा किया था कि केरल गरीबी मुक्त हो गया है। अगर ऐसा है, तो वे वही दावा दोबारा क्यों कर रहे हैं?

# कांग्रेस का दौर मतलब हिंसा और आंदोलन, हमने विकास किया

**असम**

**भारतीय** जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को मतदाताओं से असम विधानसभा चुनाव में वोट डालते समय कांग्रेस के पिछले कार्यकाल को ध्यान में रखने का आग्रह किया। भाजपा उम्मीदवार दिगंता कलिता के समर्थन में कमालपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठियों के हित में काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ की अनुमति दी और उसके कार्यकाल में महिलाएं और जमीनें असुरक्षित थीं। हालांकि, पिछले दस साल असम के विकास का दौर रहे हैं और मतदाताओं को मतदान करते समय पहले के दौर को याद रखना चाहिए।

नितिन नवीन ने आगे विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा। नवीन ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोल दिए थे। उनके शासनकाल में महिलाएं और जमीन सुरक्षित नहीं थीं। उन्होंने दावा किया कि असम के लोगों की चुनी हुई भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया और सिलसिलेवार तरीके से विकास कार्य शुरू किए।

# राघव चड्ढा के बयान पर आप नेताओं का पलटवार

**नई दिल्ली**

दिल्ली की ओखला सीट से विधायक अमानतुल्लाह खान ने अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निशाने पर लिया है. उन्होंने राघव चड्ढा से सवाल किया कि क्या आप हमारी पार्टी को वह सब लौटा सकते हैं जो आपने इतने कम समय में हासिल किया? पार्टी ने आपको 2019 में लोकसभा का टिकट दिया. 2020 में आपको विधायक और दिल्ली जल बोर्ड का उपाध्यक्ष, 2022 में राज्यसभा सांसद बनाया. जब हमें कुचलने की कोशिश की तो आपने हमे छोड़ दिया.

बता दें कि राज्यसभा उपनेता पद से हटाए जाने के बाद एक वीडियो राघव चड्ढा ने शेयर किया. इसमें उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में उन्हें बोलने के लिए समय न देने के लिए चिट्ठी लिखी है. अपने वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें खामोश करवाया गया है लेकिन वो हारे नहीं हैं. उनके इस बयान के बाद पार्टी के नेता भड़क गए.

राघव चड्ढा क्या कांग्रेस ज्वाइन करने वाले हैं? अलका लांबा ने कर दिया बड़ा दावा

राघव चड्ढा केंद्र सरकार का नाम नहीं लेना चाहते- सौरभ भारद्वाज

आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, "राघव केंद्र सरकार का नाम नहीं लेना चाहते. मोदी का नाम तो दूर की बात है. सवाल है कि इतना डर क्यों है? क्या डर कर राजनीति की जा सकती है?

भारतीय जनता पार्टी राघव चड्ढा को प्रमोट करती है. उनके समर्थक सोशल मीडिया के पोस्ट को आगे बढ़ाते हैं. क्योंकि देश के अहम सवालों से हटाकर आपको समोसे के सवाल पर उलझा दिया जाए. अगर आप डर गए तो आपकी राजनीति खत्म है."

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने भी साधा निशाना

आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने कहा, "आज लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और पूरा विपक्ष इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है।

# दिल्ली की एयर क्वालिटी खराब, क्या लागू होंगे जीआरएपी

**दिल्ली-एनसीआर**

**वायु** गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शुक्रवार (3 अप्रैल) को दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के खराब स्तर पर पहुंचने के बावजूद फिलहाल ग्रैप के तहत पाबंदियों को लागू नहीं करने का फैसला किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उढउइ) द्वारा जारी एक्यूआई बुलेटिन के मुताबिक दिल्ली का दैनिक औसत एक्यूआई 200 के आंकड़े को पार कर गया और 266 (खराब श्रेणी में) दर्ज किया गया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ग्रैप उप-समिति ने क्षेत्र में वर्तमान वायु गुणवत्ता परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ भारत मौसमविज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) द्वारा उपलब्ध कराई गईं मौसम संबंधी स्थितियों और एक्यूआई के पूर्वानुमान की समीक्षा करने के लिए एक बैठक बुलाई. उन्होंने बताया, दिल्ली-एनसीआर की मौजूदा वायु गुणवत्ता स्थिति और मौसम एवं मौसम विज्ञान संबंधी पूर्वानुमान की समीक्षा करते हुए आयोग ने पाया कि दिल्ली का एक्यूआई, जो कल 194 दर्ज किया गया था, आज सुबह धूल भरी आंधी के कारण शाम 4 बजे तक तेजी से बढ़कर 266 हो गया है. आयोग ने कहा कि मौसम या एक्यूआई पूर्वानुमान के मुताबिक आज रात और कल हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, साथ ही आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति अनुकूल रहने की उम्मीद है। .अधिकारी ने कहा, मौसम संबंधी स्थितियों और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के गतिशील मॉडल और पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम श्रेणी में रहेगा. इसलिए समिति ने निर्णय लिया है ।

# एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेगी एनडीए सरकार

**उत्तर प्रदेश**

**उत्तर प्रदेश** के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3 अप्रैल को असम के बारपेटा में विधानसभा चुनावों से पहले एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच तीखा अंतर दिखाया। रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए सरकार ने सुरक्षा और सुशासन सुनिश्चित करते हुए भारत की संस्कृति, परंपराओं और विरासत को मजबूत करने के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गांवों, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग को बिना किसी भेदभाव के विकास के लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दोहरे इंजन वाली सरकार के प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए ने एक दशक के भीतर असम को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और इसे राज्य के लिए पुनर्जागरण का दौर बताया। असम गण परिषद (अगप) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में बारपेटा में एक रैली को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान राज्य और उसके लोगों की रक्षा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस 60 वर्षों से सत्ता में थी। लेकिन इसने घुसपैठ, हिंसा और दंगों को ही बढ़ावा दिया।

इसने स्थानीय संस्कृति और विरासत को खतरे में डाल दिया।

उन्होंने एआईयूडीएफ पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को प्रोत्साहित कर रही है और उसका लक्ष्य इनके समर्थन से सत्ता पाना है। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ मिलकर राज्य की संस्कृति और विरासत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं ह्लह्ल उन्होंने कहा कि राजग सरकार राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घुसपैठिये की पहचान करके उसे खदेड़ दिया जायेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राजग ह्यलव और लैंड जिहादह्ल तथा जनसांख्यिकी में किसी भी प्रकार का बदलाव सहन नहीं करेगा।

आदित्यनाथ ने कहा कि राजग विरासत-विकास को एक साथ सुनिश्चित करेगा, जैसा कि उसने उन राज्यों में किया है जहां वह सत्ता में है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में असम में एक बड़ा बदलाव आया है और मैं इस चुनाव में राजग के लिए आपके निरंतर समर्थन का आग्रह करता हूं। बारपेटा से अपने उम्मीदवार का नामांकन रद्द करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव से पहले ही मैदान से भाग गई है।

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव नौ अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

# बहराइच में हैवानियत की हदें पार,

## तलाकशुदा पत्नी को बाइक से बांधकर घसीटा, आरोपी गिरफ्तार

**उत्तर प्रदेश**

**उत्तर प्रदेश** के बहराइच जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां नानपारा कोतवाली इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी तलाकशुदा पत्नी को मोटरसाइकिल से बांधकर घसीटा, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गयी. इस दौरान आरोपी व्यक्ति भी भी घायल है. घटना वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है.

घटना बुधवार की बताई जा रही है. पत्नी इन दिनों मायके में रह रही थी, जहां उसका सामना पति से हो गया, जिसके बाद उसने हिंसक रूप अख्तियार कर लिया. पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

क्या है पूरा मामला ?

पुलिस के अनुसार, रामगांव क्षेत्र के मुसल्लमपुर गांव निवासी रहीस ने करीब एक वर्ष पहले नानपारा निवासी रेशमा से शादी की थी, लेकिन आपसी विवाद के कारण दोनों का जनवरी में तलाक हो गया, जिसके बाद महिला अपने मायके में रह रही थी. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी बुधवार को नानपारा आया था और लक्ष्मणपुर मतेही गांव के पास घर लौट रही अपनी तलाकशुदा पत्नी से उसका आमना-सामना हुआ. उन्होंने बताया कि दोनों के बीच कहासुनी हुई।

# चारधाम यात्रा से पहले बड़ा एक्शन; 7 जिलों में होगी मॉक ड्रिल

## आपदा से निपटने की तैयारी तेज

**उत्तराखंड**

**चारधाम** यात्रा का सीजन दस्तक देने वाला है और इस बार सरकार किसी भी लापरवाही के मूड में नहीं है. गृह मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यात्रा मार्गों पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है. इसी सिलसिले में 10 अप्रैल को सात जिलों में एक साथ मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी.

गुरुवार को USDMA में एक ओरियंटेशन और कोऑर्डिनेशन कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें चारधाम यात्रा से जुड़े तमाम जिलों के अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एक मेज पर बैठे. बैठक में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन और NDMA के सीनियर कंसलटेंट मेजर जनरल सुधीर बहल (अप्रा) ने मॉक ड्रिल की रूपरेखा और जरूरी दिशा-निर्देश सामने रखे.

सात जिलों में एक साथ होगा अभ्यास

सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड के लिए सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि राज्य की साख का सवाल भी है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सभी विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है.

उन्होंने बताया कि यह मॉक ड्रिल उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी और देहरादून, इन सात जिलों में एक साथ होगी. पूरे अभ्यास का संचालन वरऊटअ स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से किया जाएगा.

हर विभाग की होगी परीक्षा

मेजर जनरल सुधीर बहल ने बताया कि यह पूरा अभ्यास क्रम्र यानी क्ल्लूीिल्ल३ फीरस्रल्ल२री र८२३ी के ढांचे पर चलेगा. इसके तहत इंसीडेंस रिस्पांस टीम, क्रियान्वयन शाखा, नियोजन शाखा और संसाधन शाखा, सबकी अलग-अलग भूमिकाएं तय होंगी. इंसीडेंट कमांडर से लेकर नोडल अधिकारी तक, हर किसी को पता होना चाहिए ।

# केवट संवाद : भगवान केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं : राजन जी महाराज

**अखंड भारत संदेश**

**जंघई।** देवबरा धाम में चल रही श्रीराम कथा के सप्तम दिवस पूज्य राजन महाराज ने श्री राम कथा में शुक्रवार को केवट प्रसंग के माध्यम से भगवान राम और उनके अनन्य भक्त केवट के प्रेम, समर्पण और संवाद का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। महाराज जी ने बताया कि केवट, भगवान के चरण पखारकर और अपनी निष्काम भक्ति से प्रभु को निरुत्तर कर, उनसे मोक्ष प्राप्त करते हैं। केवट प्रसंग का निस्वार्थ प्रेम को दशार्ता है, केवट भगवान राम को गंगा पार कराने के लिए तैयार होते हैं, लेकिन पहले चरण धोने की ज़िद करते हैं। केवट कठौता भरकर पानी से प्रभु के चरण धोकर प्रेम और आनंद में भर जाते हैं। केवट प्रभु से कुछ भी लेने से मना कर देते हैं और अंततः प्रभु से मोक्ष का वरदान प्राप्त करते हैं। महाराज ने कथा में केवट की निस्वार्थ भक्ति और राम जी की करुणा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावुक हो जाते हैं। महाराज ने कहा कि यह प्रसंग रामायण के सबसे भावनात्मक दृश्यों में से एक है, जो दिखाता है कि भगवान केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं, केवट ने कहा, आपके चरणों की धूल पत्थर को नारी बना सकती है, तो मेरी लकड़ी की नाव तो उसके सामने कुछ भी नहीं है। केवट ने शर्त रखी कि वह प्रभु के चरण धोकर ही उन्हें नाव में बिठाएगा, क्योंकि उसे अपनी आजीविका (नाव) के नष्ट होने का भय था। केवट की अनन्य भक्ति और भोलापन देखकर श्री राम मुस्कुराए और उसे चरण धोने की अनुमति दी। चरण पखारने के बाद, केवट ने सपरिवार सहित प्रभु श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण को गंगा पार कराया। महाराज ने कहा कि केवट प्रसंग यह सिद्ध करता है कि भगवान केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं, न कि औपचारिकताओं के कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक राधे मोहन पांडेय, विकास पांडेय इलाहाबादी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बृजेश सिंह पूर्व एमएलसी, विनय शंकर तिवारी पूर्व विधायक, वेद शास्त्री महंत 54 फीट हनुमान मंदिर झूंसी, सतीश मिश्र, सतीश पांडेय, सूरज तिवारी, कपिल तिवारी, चांडिका त्रिपाठी, शिव प्रसाद तिवारी, देवेंद्र शुक्ल, राघवेंद्र शुक्ल, शिवम तिवारी, सतीश पांडेय, बृजेश मिश्र, सुनील पांडेय अरविंद पांडेय, साहब तिवारी, शुभम शुक्ला, पिंटू ओझा, बबलू शुक्ल, संतोष पांडेय, पवन शुक्ल, बबलू सिंह, राजा मौर्या, गंगाधर शुक्ल, आलोक सिंह, गौरव राजपूत, डिंपल शुक्ल, सतीश तिवारी, सत्यम तिवारी एवं समाजसेवी बाबा तिवारी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

## "मांगी नाव न केवट आना कहै तुम्हार मरमु मैं जाना।"

**धनूपुर।** देवबरा धाम में चल रही श्रीराम कथा के सप्तम दिवस शुक्रवार को पूज्य राजन महाराज ने श्री राम कथा में केवट प्रसंग के माध्यम से भगवान राम और उनके अनन्य भक्त केवट के प्रेम, समर्पण और संवाद का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। महाराज जी ने बताया कि केवट, भगवान के चरण पखारकर और अपनी निष्काम भक्ति से प्रभु को निरुत्तर कर, उनसे मोक्ष प्राप्त करते हैं। केवट प्रसंग का निस्वार्थ प्रेम को दशार्ता है, केवट भगवान राम को गंगा पार कराने के लिए तैयार होते हैं, लेकिन पहले चरण धोने की ज़िद करते हैं। केवट कठौता भरकर पानी से प्रभु के चरण धोकर प्रेम और आनंद में भर जाते हैं। केवट प्रभु से कुछ भी लेने से मना कर देते हैं और अंततः प्रभु से मोक्ष का वरदान प्राप्त करते हैं। महाराज ने कथा में केवट की निस्वार्थ भक्ति और राम जी की करुणा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावुक हो जाते हैं। महाराज ने कहा कि यह प्रसंग रामायण के सबसे भावनात्मक दृश्यों में से एक है, जो दिखाता है कि भगवान केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं, केवट ने कहा, आपके चरणों की धूल पत्थर को नारी बना सकती है, तो मेरी लकड़ी की नाव तो उसके सामने कुछ भी नहीं है। केवट ने शर्त रखी कि वह प्रभु के चरण धोकर ही उन्हें नाव में बिठाएगा, क्योंकि उसे अपनी आजीविका (नाव) के नष्ट होने का भय था। केवट की अनन्य भक्ति और भोलापन देखकर श्री राम मुस्कुराए और उसे चरण धोने की अनुमति दी। चरण पखारने के बाद, केवट ने सपरिवार सहित प्रभु श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण को गंगा पार कराया। महाराज ने कहा कि केवट प्रसंग यह सिद्ध करता है कि भगवान केवल प्रेम और भक्ति के भूखे हैं, न कि औपचारिकताओं के कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक राधे मोहन पांडेय, विकास पांडेय इलाहाबादी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बृजेश सिंह पूर्व एमएलसी, विनय शंकर तिवारी पूर्व विधायक, वेद शास्त्री महंत 54 फीट हनुमान मंदिर झूंसी, सतीश मिश्र, सतीश पांडेय, सूरज तिवारी, कपिल तिवारी, चांडिका त्रिपाठी, शिव प्रसाद तिवारी, देवेंद्र शुक्ल, राघवेंद्र शुक्ल, शिवम तिवारी, सतीश पांडेय, बृजेश मिश्र, सुनील पांडेय अरविंद पांडेय, साहब तिवारी, शुभम शुक्ला, पिंटू ओझा, बबलू शुक्ल, संतोष पांडेय, पवन शुक्ल, बबलू सिंह, राजा मौर्या, गंगाधर शुक्ल, आलोक सिंह, गौरव राजपूत, डिंपल शुक्ल, सतीश तिवारी, सत्यम तिवारी एवं समाजसेवी बाबा तिवारी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

# अप्पे सवारी गाड़ी से चारों पहिए और बैटरी चोरी, मचा हड़कंप

**सहसों।** सहसों-फाफामऊ रोड पर थरवई थाना क्षेत्र के चंदरपुर उर्फ बसमाहुआ गांव के सामने स्थित आर.डी. सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन के पास बीती रात अज्ञात चोरों ने एक अप्पे सवारी गाड़ी को निशाना बनाया। चोर हनुमानगंज से वाहन चोरी कर यहां लाकर सड़क के किनारे खड़ा कर उसके चारों पहिए, स्टेपनी तथा बैटरी सहित अन्य कीमती सामान खोलकर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह जब आसपास के लोग शौच एवं मॉर्निंग वॉक के

लिए निकले तो सड़क किनारे खड़ी संदिग्ध अवस्था में अप्पे थ्री व्हीलर सवारी गाड़ी पर उनकी नजर पड़ी। पास जाकर देखा तो वाहन के तीनों पहिए और स्टेपनी गायब थे। यह देख मौके पर धीरे-धीरे सुगबुगाहट होने पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही 112 नंबर पीआरबी पुलिस एवं संबंधित पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। वाहन में मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने गाड़ी मालिक नीरज कुमार निवासी बीकापुर हनुमानगंज को फोन कर घटना की जानकारी दे दी है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से छानबीन करते हुए चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

# जनसंवाद को नई ऊर्जा लिए नीरज त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं व नागरिकों से किया आत्मीय संवाद

**सहसों।** फूलपुर क्षेत्र में जनसंवाद को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज त्रिपाठी ने गुरुवार को कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की। धनूपुर में आयोजित श्रीराम कथा श्रवण के बाद प्रयागराज लौटते समय वे थानापुर स्थित दुबे भोजनालय पर रुके, जहाँ उन्होंने क्षेत्रीय लोगों के साथ बैठकर खुलकर संवाद किया। पूर्व राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र

नीरज त्रिपाठी ने इस अवसर पर जनसंपर्क को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि ह्लप्रभु श्रीराम केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, मयार्दा और जनकल्याण के मार्गदर्शक हैं। उनके आदर्शों पर चलकर ही समाज में समरसता और समग्र विकास संभव है। उन्होंने उपस्थित लोगों का कुशलक्षेम जाना और क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। स्थानीय नागरिकों ने भी बेबाकी से अपनी बात रखी और महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। पूरे संवाद के दौरान वातावरण बेहद आत्मीय और सकारात्मक बना रहा। इस मौके पर प्रिंस ओझा, चंद्रेश नारायण द्विवेदी, धनंजय शाश्वत सहित कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

# तालाब में मछली मारने का विरोध करने पर मारपीट, कई नामजद एफआईआर दर्ज

### पट्टाधारक को लाखों का नुकसान, गांव में तनाव का माहौल

**प्रयागराज।** के थाना कौंधियारा क्षेत्र के मवैया तालुका बलापुर गांव में तालाब में अवैध रूप से मछली मारने तथा विरोध करने पर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर कई नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मत्स्य पट्टाधारक विजय बहादुर पुत्र स्वर्गीय शिवबरन ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव स्थित तालाब संख्या 51 का राजस्व शुल्क जमा कर उन्होंने मत्स्य पालन के लिए पट्टा कराया है। तालाब में काफी लागत लगाकर मछलियों के बीज डाले गए थे और नियमित रूप से पालन किया जा रहा था।

आरोप है कि दिनांक 25 मार्च 2026 को सुबह लगभग 9 बजे गांव के ही अयोध्या प्रसाद, लकी, शालू, पवन, सोनू, पप्पू सहित कुछ अन्य अज्ञात लोग तालाब में मछली शोरेपुस्ती से मारवा ले गए । जब पट्टाधारक पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौझ करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद भी लगातार तालाब में मछली मारी जा रही है, जिससे उसे लगभग पांच लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है।

इस घटना को लेकर गांव में आक्रोश और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता के अनुरूप त्वरित सख्त कार्रवाई नहीं किए जाने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और कभी भी बड़ी घटना हो सकती है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक अंकित तिवारी को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना करछना पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

**अखंड भारत संदेश**

**करछना, प्रयागराज।** मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत थाना करछना पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को हिंदूपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, मिशन शक्ति अभियान तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई। इस दौरान टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में वे वूमेन पावर लाइन

1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं। पुलिस टीम ने साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर विशेष जोर देते हुए बताया कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्क रहें और तुरंत संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना दें। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में जागरूकता और उत्साह देखने को मिला।

# हर्रई गांव में पोल टूटने से अंधेरा, गर्मी में ग्रामीण बेहाल

**करछना।** बेंदौ पनासा मार्ग पर हर्रई गांव के सामने गुरुवार सुबह ट्रेलर चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पोकलैंड मशीन लादकर जा रहे ट्रेलर ने सड़क किनारे लगे बिजली के पोल और केबल को टक्कर मार दी, जिससे छह पोल टूटकर जमीन पर गिर पड़े। इसके चलते पूरी बस्ती की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।घटना के समय बिजली आपूर्ति बंद होने से बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के एसडीओ और जेई मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन कर ट्रेलर चालक से क्षतिपूर्ति जमा कराई। इसके बाद वाहन को छोड़ दिया गया।इधर, घटना के दो दिन बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है, जिससे बस्ती के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के कारण महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हैं। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द टूटे पोल और तार बदलकर बिजली आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

# नैनी हनुमान नगर मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, 5 हजार से अधिक भीड़ शामिल हुई

**नैनी।** नैनी स्टेशन रोड हनुमान नगर में श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर का जीर्णोद्धार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के साथ मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डां रीता बहुगुणा जोशी व महापौर गणेश केसरवानी के साथ-साथ एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह व नैनी थाना इंचार्ज ब्रजकिशोर गौतम को अंग वस्त्र पहनकर सम्मानित किया गया सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। इस दौरान भजन संध्या के कार्यक्रम में एक के बाद एक कई कलाकारों ने अपनी गीतों की प्रस्तुति दी। जिसमें देर रात तक भजन संध्या में श्रोता डूबे रहे। इसके साथ करीब 5 हजार से अधिक की संख्या में भीड़ कार्यक्रम में पहुंची। जहां एक तरफ भजन संध्या का लोग आनंद उठा रहे थे वहीं दूसरी तरफ बड़ी संख्या में लोगों ने भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया। भजन संध्या कार्यक्रम में बनारस के प्रसिद्ध गायक पुनीत पागल उर्फ पगला बाबा, मुंबई से इशरत जहां की प्रस्तुति से देर रात तक कार्यक्रम में धूम मची रही इस दौरान मंच पर हर हर महादेव के नारे लगाते रहे जहा एक तरफ भजन संध्या का आनंद उठा रहे थे वहीं दूसरी तरफ हजारों की भीड़ प्रसाद पाने के लिए कतार में खड़ी रही। भजन संध्या में भगवान शंकर के भजनों की प्रस्तुति से लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। भजन संध्या का कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। जिसे सुनने के लिए स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर दराज से भी लोग पहुंचे हुए थे। श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर के इस भव्य आयोजन में मुख्य रूप से राम तारक चौरसिया, समाजसेवी योगेश चौरसिया बाबा कंस्ट्रक्शन, पार्षद व व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जायसवाल, पुजारी नंदू महाराज, दिलीप केसरवानी, घनश्याम जायसवाल, सोनू मिश्रा, मुन्ना शर्मा, गुड्डू गुडविल, शरद जायसवाल, मोनू जायसवाल, धर्मराज पटेल, कृष्णा केसरवानी, लखन लाल केशरवानी, रानू त्रिपाठी, डॉ मोनू केसरवानी राहुल मेडिकल स्टोर, राजेश साहू, विनोद केसरवानी, रमेश केसरवानी, श्यामधर मिश्र, श्री कुशवाहा सहित सैकड़ो की संख्या में व्यापारी व आकांक्षा जायसवाल के साथ महिलाएं शामिल रही।

# हनुमान जन्मजयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया

**मऊआइमा।** ग्राम सभा गधिना हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मजयंती के अवसर पर एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिस में भजन के बाद पसाद का वितरण किया गया और सभासद नगर पंचायत मऊआइमा मनीष साहू और जिला पंचायत सदस्य अंकेश पटेल को फूल माला पहना कर स्वागत किया गया इस मौके पर सूरज भान पटेल, पूर्व

ब्लाक प्रमुख सुधीर मौर्य, अर्पित मौर्य, भावी प्रधान अजीत पटेल, मुन्ना पटेल, पप्पू साहू, जुगनू साहू, सचिन पटेल, अरविंद पटेल, राज कुमार साहू, बृजेश सोनी, रामसूरत मौर्य, डॉ लालजी, रामलखन, श्याम बहादुर, रामनेवाज, कमल, बड़के पटेल, नाटे शर्मा,आदि लोग मौजूद रहे।

# मांडा के कई उच्च प्राथमिक विद्यालय एक शिक्षक के भरोसे

### शिक्षक न होने पर बंद हो जाते हैं स्कूल, नामांकन अभियान प्रभावित

**मांडा।** क्षेत्र के कई उच्च प्राथमिक विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। शिक्षकों की कमी के कारण इन विद्यालयों में पढ़ाई बाधित होती है और शिक्षक की अनुपस्थिति में स्कूल बंद भी हो जाते हैं, जिससे 'स्कूल चलो अभियान' के तहत शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य प्रभावित हो रहा है। मांडा क्षेत्र में कुल 143 परिषदीय विद्यालय हैं, जिनमें 20 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 89 प्राथमिक विद्यालय, 33 कंपोजिट विद्यालय और एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय शामिल हैं। इन 20 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से देवा, ऊंचडीह उपरौध, निश्चिंतपुर, हाटा और सिरावल जैसे पांच विद्यालयों में केवल एक ही अध्यापक नियुक्त है। इसके अतिरिक्त, 33 कंपोजिट विद्यालयों में से बदौआ, गजाधरपुर, यादवपुर और धनावल सहित कई विद्यालयों में जूनियर स्तर का एक भी अध्यापक नहीं है। इन उच्च प्राथमिक अनुभागों का संचालन प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापक किसी तरह कर रहे हैं, जिससे शिक्षण गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इन एकल शिक्षक वाले अधिकांश उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की औसत संख्या लगभग 200 है। ऐसे में एक अकेला शिक्षक छात्रों को समुचित शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी उपस्थिति दर्ज करने और मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की व्यवस्था संभालने में भी चुनौतियों का सामना करता है। शिक्षकों की इस कमी के संबंध में मांडा बीआरसी के अधिकारियों ने बताया कि सभी संबंधित सूचनाएं पोर्टल पर दर्ज हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि परिषदीय विद्यालयों में छात्र और शिक्षक का अनुपात बेहद चिंताजनक है। अधिकारियों के अनुसार, इस समस्या का समाधान तभी संभव हो पाएगा जब शासन स्तर पर शिक्षकों की नई नियुक्तियां की जाएंगी।

**कार्यालय ग्राम पंचायत कुड़ावरी विकासखंड सिराथू जनपद कौशांबी**

वित्तीय वर्ष 2026 2027

**निविदा सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026 2027 में ग्राम पंचायत कुड़ावरी विकासखंड सिराथू जनपद कौशांबी में कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों जी रामजी योजना राज्य वित्त योजना केंद्र वित्त योजना नाली सड़क मरम्मत निर्माण इंटरलॉकिंग मरम्मत निर्माण हैंड पंप मरम्मत हैंडपंप रिवोर सामुदायिक शौचालय मरम्मत पंचायत भवन मरम्मत सरकारी स्कूल मरम्मत आंगनवाड़ी भवन मरम्मत ह्यूमन पाइप द्वारा भूमिगत नाली का निर्माण विद्यालय आंगनबाड़ी भवन और पंचायत भवन में मरम्मत विद्युतीकरण आदि कार्य हेतु पंजीकृत फर्मों से टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं टेंडर फॉर्म कार्यालय दिवस पर ग्राम पंचायत से प्राप्त किए जा सकते हैं 04 अप्रैल 2026 से 10 अप्रैल 2026 को 12 बजे दोपहर तक टेंडर फॉर्म ग्राम पंचायत में जमा किए जाएंगे 10 अप्रैल 2026 को 2:00 बजे दोपहर उपस्थित फर्मों के समक्ष टेंडर सार्वजनिक तरीके से खोले जाएंगे निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

| | |
|---|---|
| **प्रेमचन्द** | **प्रदीप सरोज** |
| **ग्राम प्रधान** | **ग्राम पंचायत सचिव** |
| **ग्राम पंचायत कुड़ावरी** | **ग्राम पंचायत कुड़ावरी** |
| **वि0खं0 सिराथू जनपद कौशांबी** | **वि0खं0 सिराथू जनपद कौशांबी** |

# जनगणना-2027 : डिजिटल तैयारियों में तेजी

## 10 अप्रैल तक मैपिंग पूरी करने के निर्देश

**अखंड भारत संदेश**

**प्रयागराज।** कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जनगणना-2027 को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को आगामी तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सीएमएमएस पोर्टल पर चल रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी ग्रामीण और नगरीय चार्ज अधिकारियों को मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) मैपिंग का कार्य 10 अप्रैल से पहले हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जनगणना के फील्ड कार्य के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षकों की प्रविष्टि दो कार्य दिवस के भीतर पोर्टल पर दर्ज कराने को कहा। बैठक में बताया गया कि जनगणना-2027 पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। आम नागरिक 7 मई 2026 से एसई पोर्टल के जरिए स्वयं भी अपनी गणना कर सकेंगे। इसको लेकर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ग्राम प्रधानों और कोटेदारों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

इसके अलावा खंड शिक्षाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित तहसीलों और नगर निकायों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने और उनके प्रशिक्षण को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीता सिंह, अपर नगर आयुक्त एवं जनगणना अधिकारी राजीव शुक्ला सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, जोनल अधिकारी, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, कैंटोनमेंट बोर्ड के प्रतिनिधि और जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

## एसओजी एवं नैनी पुलिस ने दो नशा तस्कर गिरफ्तार, मादक पदार्थ बरामद

**नैनी।** नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन संजीवनी के तहत थाना नैनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी यमुनानगर एवं थाना नैनी की संयुक्त पुलिस टीम ने 2 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर फूलमंडी से अरैल जाने वाले बंधा रोड के पास घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में कमलेश भारतीया उर्फ बड़कू एवं अजय केसरवानी उर्फ छंगू शामिल हैं।पुलिस ने इनके कब्जे से 49.20 ग्राम अवैध स्मैक तथा 221.73 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम बरामद किया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल, एक कार एवं चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे मादक पदार्थों को छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक कर राहगीरों को बेचते थे तथा मोबाइल फोन के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करते थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# कोरांव में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई बाइक, दो लोग हुए घायल

**सीएचसी कोरांव पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल किया गया रेफर**

**अखंड भारत संदेश**

**कोरांव।** कोरांव थाना क्षेत्र के बैठकवा गांव में शुक्रवार को शाम 7 बजे के करीब एक ही बाइक पर सवार दो लोग अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्थित पेड़ से टकरा गए। हादसे में बाइक चालक समेत दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। 102 एंबुलेंस के द्वारा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक अजय कुमार पुत्र गुलाब शंकर (26) व अभिमन्यु पुत्र प्रेम शंकर (20) निवासीगण हनुमानगंज पैतिहा थाना कोरांव किसी काम से बैठकवा गए हुए थे वापस लौटते समय देसी शराब की दुकान के आगे व राजकीय इंटर कॉलेज बैठकवा के पास सड़क के किनारे स्थित पेड़ से अनियंत्रित होकर बाइक टकरा गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 102 एंबुलेंस के द्वारा सीएचसी कोरांव लाया गया। जहां से दोनों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सीएचसी कोरांव के चिकित्साधिकारी डॉ राजेश ने बताया कि अजय का शरीर तीन जगह से फैक्चर हो गया है और अभिमन्यु को भी गंभीर चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। अजय की हालत नाजुक बताई जा रही थी।

### बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में बाइक सवार गंभीर सीरियस

क्षेत्र के पथरताल गांव में हुआ हादसा, ट्रैक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया

कोरांव प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के पथरताल गांव में गुरुवार को रात 8 बजे के करीब एक अनियंत्रित ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो जाने से बाइक चालक का दाहिना पैर तीन जगह से टूट गया। हादसे के बाद आसपास के लोग भी पहुंच गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर और क्षतिग्रस्त बाइक को हिरासत में ले लिया है। जबकि घायल बाइक चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव भेजा गया। जहां प्राथमिक उपचार कर घायल बाइक चालक को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक देवनाथ पुत्र जनकधारी (25) निवासी जादीपुर नथऊपुर गुरुवार को रात 8 बजे के करीब कोरांव बाजार से बाइक से घर जा रहे थे कि पथरताल गांव में एक मिक्सर लेकर जा रहा अनियंत्रित ट्रैक्टर बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार बाइक समेत गिर गया और उसके पैर पर ट्रैक्टर का पहिया चढ़ गया। जिससे उसका दाहिना पैर तीन जगह से टूट गया है। घायल बाइक चालक का उपचार जारी है। ट्रैक्टर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। ट्रैक्टर धर्मराज पुत्र लाल जी निवासी कपासी कला थाना कोरांव का बताया जा रहा है। मामले में शुक्रवार को दोपहर बाद 2 बजे के करीब थाना प्रभारी राकेश कुमार वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

**मेजा बार एसोसिएशन चुनाव**

## मंत्री पद के प्रत्याशी मनोज शुक्ला के नेतृत्व में होगा बार का सर्वाधिक विकास : राजू पांडेय

मेजा तहसील न्यायालय के लोकप्रिय अधिवक्ता आशुतोष पांडेय के नेतृत्व में जूनियर और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने मनोज शुक्ला के समर्थन में इंट्री कर भरी हुंकार, दी जीत की अग्रिम बधाई कहा मनोज शुक्ला ही होंगे बार के मंत्री

मंत्री पद के प्रत्याशी मनोज शुक्ला के समर्थन में पूरी टीम के साथ मैदान में उतरे अधिवक्ता राजू पांडेय

**अखंड भारत संदेश**

**मेजा।** मेजा तहसील के सीनियर और जूनियर अधिवक्ताओं का एक बड़ा जत्था बार के तेज तर्राक और जुझारू युवा अधिवक्ता आशुतोष कुमार पांडेय (राजू पांडेय) की अगुवाई में एक बार फिर मंत्री पद के प्रबल दावेदार प्रत्याशी मनोज कुमार शुक्ला के समर्थन में आगे आया है,और बड़ी जीत की हुंकार भरते हुए बार के इस चुनावी दंगल में प्रत्याशी मनोज शुक्ला और उनके गुरु एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णा कांत त्रिपाठी के पक्ष में जनसंपर्क के अलावा मतदान करने का खुला ऐलान और जीत की अग्रिम बधाई का तोहफा देते हुए सभी को चौंका दिया है। उल्लेखनीय है कि बार एसोसिएशन मेजा की नई कार्यकारिणी सत्र 2026-27 के गठन हेतु 10 अप्रैल को होने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मियां दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में बार के सर्वाधिक लोकप्रिय युवा अधिवक्ता राजू पांडेय जिनके द्वारा टिप्पणी की गई बातें देश का रेडियो बीबी सिलंदन भी बोलता है के गुट और नेतृत्व वाली टीम का मंत्री पद के प्रत्याशी मनोज शुक्ला और उनके वरिष्ठ गुरु केके त्रिपाठी के पक्ष में आ जाने से मंत्री पद के लिए दावेदार अन्य प्रत्याशियों की चुनावी मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। बता दें कि तहसील न्यायालय में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों के साथ साथ अधिवक्ताओं के मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा के सवाल पर सदैव आगे रहने वाले गंभीर स्वभाव के तेज तर्राक लोकप्रिय युवा अधिवक्ता आशुतोष पांडेय मेजा बार के बड़ा चेहरा हैं। मुसीबत के वक्त आम लोगों के अलावा अधिवक्ता भाइयों के आगे स्वयं आकर मदद का ऐलान करना इनका संस्कार है। राजू पांडेय और उनके साथियों की बार के चुनाव में मनोज शुक्ला के समर्थन में धमाकेदार इंट्री ने सबको चौंका दिया है। उन्होंने चुनाव को लेकर विस्तार से टिप्पणी दी और अपने संदेश में कहा कि मनोज शुक्ला ही इस बार मेजा बार के मंत्री होंगे उनके नेतृत्व में बार का सर्वाधिक विस्तार किया जाएगा।

# दो अप्रैल एमयूएनपीएल का स्थापना दिवस

## मेजा ऊर्जा निगम की 18 वर्ष की सफल यात्रा में कर्मचारियों का योगदान है अहम : जी श्रीनिवास

**स्थापना दिवस के 18 वर्ष पूरा होने पर मेजा ऊर्जा निगम में रंगारंग सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रमों के बीच धूमधाम एवं हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में आयोजित हुआ भव्य समारोह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सामूहिक रूप से केक काटकर मनाया स्थापना दिवस का जश्न**

**अखंड भारत संदेश**

मेजा ऊर्जा निगम के स्थापना दिवस का 18 वर्ष पूरा होने पर समारोह और केक काटकर जश्न मनाते निगम के अधिकारीगण

**मेजा।** दो अप्रैल को मेजा ऊर्जा निगम के स्थापना दिवस का 18वा वर्ष पूरा होने पर निगम में गुरुवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण दिन की शुरूआत मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव के प्रेरक एवं उत्साह वर्धक संबोधन से हुई जिसके बाद उन्होंने निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर सामूहिक रूप से केक काटकर सभी कर्मचारियों को बधाई दी। तत्पश्चात श्री राव ने अपने संबोधन में मेजा ऊर्जा निगम की अब तक की यात्रा की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए सभी को प्रेरित किया और इस दिशा में कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों की जमकर प्रशंसा की। निदेशक परियोजनाएँ, एनटीपीसी एवं एमयूएनपीएल के अध्यक्ष केएस सुंदरम ने भी इस पावन

अवसर पर वर्चुअल माध्यम से कर्मचारियों को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने संयंत्र की विद्युत उत्पादन क्षमता एवं उपलब्धता पर प्रकाश डाला तथा एमयूएनपीएल के समग्र विकास और उन्नति पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रमोटर्स, एनटीपीसी और यूपीआरवीयूएमएल का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि निगम में इस विशेष अवसर पर एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या आर्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में निगम के मुख्य महाप्रबंधक इंजीनियरिंग पंकज कुमार गुप्ता,महाप्रबंधक अनुरक्षण अशोक कुमार सामल, मुख्य वित्तीय अधिकारी अंशु बरुआ, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन विवेक चन्द्र,मुख्य चिकित्साधिकारी एके चौधरी के अलावा कार्यपालक संघ के प्रतिनिधि,कर्मचारी यूनियन, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### नैनी में 9 वां विशाल मां भगवती जागरण आज

**नैनी।** नैनी विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नैनी क्षेत्र के स्टेशन रोड हनुमान नगर मोहल्ले में शनिवार की शाम को तकरीबन 7:30 बजे से 9 वां विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन रखा गया है। जिसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। यह जानकारी देते हुए कमेटी के अध्यक्ष राहुल जायसवाल ने क्षेत्र के सभी भक्तजनों से उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

### संविलियन विद्यालय टकटैया (कोलाही) में भव्य वार्षिक उत्सव का आयोजन

**करछना।** कोलाही स्थित संविलियन विद्यालय टकटैया में गुरुवार को भव्य वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्रों और छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, और नाटक जैसी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा माँ सरस्वती के प्रतिमा के समकक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई, जिसके बाद छात्रों ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। इस अवसर पर विद्यालय के सफल छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। यह पुरस्कार वितरण समारोह छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना, जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। इसके साथ ही, विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों के माता-पिता को भी सम्मानित किया जिनके सहयोग से बच्चे नित्य विद्यालय में पहुंच के कामयाबी के शिखर तक पहुंच रहें हैं,जो उनके बच्चों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## नैनी में बुजुर्ग चौकीदार की निर्मम हत्या, चारपाई पर मिला शव

**नैनी।** नैनी क्षेत्र के धनुआ गांव में देर रात एक वृद्ध चौकीदार की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीणों ने उनका खून से लथपथ शव देखा तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 70 वर्षीय हजारी लाल भारतीय निवासी ठाकुरी का पुरवा के रूप में हुई है। वह गांव में एक युवक की जमीन पर गिट्टी-बालू के कारोबार की चौकीदारी करते थे। बताया जा रहा है कि रात वह घर से खाना खाकर ड्यूटी पर पहुंचे थे जहां उनकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र सोनू भारतीय की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिक जांच में मृतक के गले और चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार के निशान पाए गए हैं। वही पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात है और मामले की गहन जांच जारी है।

# संकट मोचन हनुमान की सच्चे मन से की गई भक्ति कभी होती नहीं है व्यर्थ : अनुराग तिवारी

मेजा तहसील क्षेत्र के दिघिया गांव निवासी वरिष्ठ समाजसेवी ने हनुमान जयंती पर स्वयं के निजी आवास पर आयोजित की सुंदरकांड कथा पाठ व भंडारा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

**अखंड भारत संदेश**

हनुमान जयंती पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर पूजा अर्चना करते समाजसेवी अनुरान तिवारी

**मेजा।** हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर समाजसेवी अनुराग तिवारी के दिघिया स्थित आवास पर भव्य सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया और श्री हनुमान जी का जयकारा लगाते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सुबह से ही शुरू हुए धार्मिक अनुष्ठान में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार के पश्चात पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की गई जिसके बाद सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। गौरतलब है इस धार्मिक कार्यक्रम के बाद भजन का भी आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय ग्रामीणों व युवा ने बढ़ चढ़कर भाग लिया जिससे यह आयोजन और भी भव्य गया। इस दौरान पूरा कार्यक्रम स्थल श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम को लेकर आयोजक अनुराग तिवारी ने कहा कि कलयुग में विघ्न हर्ता संकट मोचन हनुमान की आराधना, कथा पाठ और पूजा अर्चना करने से न केवल बाधाएं दूर होती हैं बल्कि जीवन के सारे कष्ट मिट जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान अपने भक्तों की सदैव हर संकट से रक्षा करते हैं,उन्होंने कहा कि श्रद्धा भक्ति और सच्चे मन से हनुमान जी पूजा अर्चना और की गई भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती है। श्री तिवारी ने बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर उनके श्रद्धालु भक्तों में प्रबल आस्था रहती है ऐसे आयोजन से न सिर्फ सनातन संस्कृति के लोग जागरूक होते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होता है। इतना ही नहीं आयोजक श्री तिवारी ने यह भी कहा कि हनुमान जयंती महज एक पर्व एवं गाने बजाने का माध्यम नहीं बल्कि सनातन धर्म के आस्था और विश्वास का प्रतीक है जो समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता जयकांत तिवारी, विधि अधिकारी अभिषेक तिवारी (टिंकू), शिवसेना जिला प्रमुख शिव उपाध्याय, अधिवक्ता मनोज तिवारी, सबल तिवारी, शिवकांत दुबे,प्रमोद शुक्ल, संदीप पांडेय तथा विजय पांडेय आदि के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त और ग्रामीण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# रिटायर एआईजी स्टाम्प के नौकर ने फांसी लगाकर दी जान

## पत्नी व बच्चों का रो-रो कर हाल बेहाल, अंबेडकर नगर जिले का था मृतक

**अखंड भारत संदेश**

**बेलखरनाथ धाम।** रिटायर एआईजी स्टाम्प के घर का नौकर रस्सी के सहारे बाग में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर पत्नी व बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अंबेडकर नगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के भिऊरा हैपरा बाद गांव निवासी नन्हे लाल का बेटा सुरजीत उर्फ सुददू (30) पट्टी कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर अठगवा गांव के रिटायर एआईजी स्टाम्प अरविंद प्रताप सिंह के यहां आठ वर्षों से पत्नी व दो बेटियों के साथ रहकर नौकरी करता था। गुरूवार रात किसी बात को लेकर पत्नी मंजू से विवाद हो

गया था।इसी बात से नाराज सुरजीत शुक्रवार दोपहर रस्सी के सहारे बाग में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर पत्नी मंजू बेटी सृष्टि 6, श्रियांशी 4 का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। मृतक का सगा भाई संजीव भी वहीं काम करता है उसने बताया कि घटना के समय वह पोल्ट्री फार्म

उसकी पत्नी से कल रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया था उसी बात को लेकर नाराज था।सूचना पर पहुंचे पूरे धना चैकी इंचार्ज कमलेश कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# शॉर्ट सर्किट से लगी आग, कई बीघा फसल जलकर राख

**पट्टी।** क्षेत्र के गोगलपुर गांव में शुक्रवार को अचानक शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। जिससे किसानों की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट के चलते चिंगारी गिरी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

आग की चपेट में आकर लगभग 5 बीघा खेत में खड़ी फसल, जो अब्दुल खार, वाहिद अली, शाकिर, शाहिद और मोहम्मद शादिक की बताई जा रही है, पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। वहीं शिव शंकर गुप्ता की करीब 2 बीघा फसल भी आग की भेंट चढ़ गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। इस घटना से किसानों में भारी आक्रोश और मायूसी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए और क्षेत्र की जर्जर बिजली लाइनों को दुरुस्त कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

# न्यूज झरोखा

### सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक का निधन, शोक की लहर

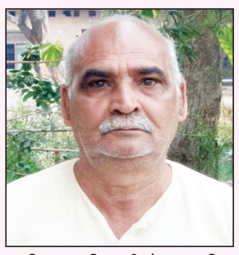

**कुन्डा।** तहसील क्षेत्र के बढ़ईपुर गांव निवासी व सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय वसहीपुर व संस्थापक सेनानी शिक्षा निकेतन पिंगरी नन्दकुमार यादव उर्फ लल्लनप्रसाद (70) दिल का दौरा पडने के कारण निधन हो गया संस्थापक के निधन पर गांव व आसपास क्षेत्र के लोगो ने शोक जताया है शोक मे सेनानी शिक्षा निकेतन में एक दिन का अवकाश रहा।बताते चलें कि मृतक शिक्षक नंदकुमार यादव को अच्छे शिक्षण कार्य के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सम्मानित भी किया था। लालबहादुर यादव सुरेन्द्रप्रताप यादव महेन्द्रप्रताप यादव अजय यादव अनुपम यादव मोहित यादव मनु यादव व प्रधान राकेश सरोज ने अध्यापक के निधन पर गहरा दुख जताया है।

### दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**कुंडा।** मानिकपुर थाना क्षेत्र के मौर्य नगर मऊदारा निवासी सुनील कुमार के खिलाफ एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का केस दर्ज कराया है। घटना के बाद से वह फरार था। एसआई राम नारायण सिंह, नदीम खान ने शुक्रवार को धरौली रोड गंगादीन की दुकान के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसका चालान कर दिया।

### तीन वांछित धराये, भेजे गये जेल

**प्रतापगढ़।** मुकदमों में वांछित चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने शुक्रवार को जेल भेज दिया। लालगंज कोतवाली के दरोगा राजेश कुमार यादव ने शुक्रवार सुबह मुखबिर की सूचना पर वांछित मो0 आजाद उर्फ तौफीक पुत्र नाजिब निवासी पूरे तिलकराम तथा दरोगा ज्ञानचंद्र तिवारी ने वांछित धर्मेन्द्र पुत्र मेवालाल निवासी सराय ओसान को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं सांगीपुर थाने के दरोगा आदित्य पाण्डेय ने चोरी की घटना के आरोपी प्रभाकर मिश्र उर्फ नान्हू पुत्र रजनीकांत मिश्र निवासी पहाड़पुर को सगरा सुंदरपुर के कीर्तिपुर मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के सामानों की बरामदगी भी की है। एसओ गौरव त्रिवेदी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी को जेल भेज दिया गया।

### किशोरी के अपहरण का दर्ज हुआ केस

**प्रतापगढ़।** क्षेत्र के एक गांव की किशोरी के अपहरण को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दो अप्रैल की शाम करीब सवा पांच बजे उसकी सत्रह वर्षीया पुत्री गायब हो गयी। पीड़िता ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया गया है। गायब किशोरी की तलाश की जा रही है।

### पूर्व प्रधान की पत्नी का निधन, जताया गया दुख

**लालगंज।** नगर पंचायत क्षेत्र के पूरे हरिकिशुन के पूर्व प्रधान एवं सेवानिवृत्त शिक्षक उमाशंकर मिश्र की पत्नी राजदेवी मिश्रा 79 का शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान निधन हो गया। निधन की जानकारी पर क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना व सांसद प्रमोद तिवारी ने परिजनों से फोनिक वार्ता कर संवेदना प्रकट की। वहीं शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आचार्य विनय शुक्ल, राकेश तिवारी गुडडू, प्रधानाचार्य सुनील शुक्ल, पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, डा0 पुरूषोत्तम शुक्ल, डा0 सौरभ मिश्र, डॉ0 पूर्णिमा मिश्रा, पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी आदि ने भी राज देवी के निधन पर दुख जताया है।

### ई रिक्शा पलटने से तीन महिलाएं घायल

**कुंडा।** देर रात ई-रिक्शा पलटने से तीन महिलाएं घायल हो गईं। जबकि अन्य हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। एक की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज रेफर किया गया है। कुंडा कोतवाली के बसवाही गांव निवासी अमृत लाल की 28 वर्षीय पत्नी हंसा देवी, पड़ोसी गुणी की 29 वर्षीय पत्नी सपना देवी और राम पाल की 34 वर्षीय पत्नी सीमा देवी के साथ गुरुवार रात ई रिक्शा से घर लौट रही थीं। गांव के समीप अचानक ई-रिक्शा पलटने से तीनों घायल हो गईं। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और सभी को बाहर निकालकर सीएचसी भेजा। अन्य घटनाओं में मानिकपुर थाना क्षेत्र के बहरामई गांव निवासी सिद्धनाथ का 22 वर्षीय बेटा सौरभ, प्रेम नगर निवासी 47 वर्षीय विनोद कुमार गुप्ता, गयासपुर गांव निवासी भोला सरोज की 52 वर्षीय पत्नी उर्मिला देवी, संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के पीथनपुर गांव निवासी सुरेन्द्र कुमार की 40 वर्षीय पत्नी गीता देवी घायल हो गईं।गंभीर रूप से घायल उर्मिला को प्रयागराज रेफर किया गया है।

### अलग-अलग मारपीट में दो घायल

**कुंडा।** कोतवाली के अघोरी की बाजार लरु गांव निवासी मनबोध यादव के 18 वर्षीय बेटे ज्ञानेन्द्र यादव को पड़ोस के ही कुछ लोगों ने रंजिशन मारपीट कर घायल कर दिया। इसी प्रकार हरीपुर टिकरिया गांव निवासी हरबंश बहादुर की 55 वर्षीय पत्नी विमला को पड़ोसियों ने आपसी विवाद में मारपीट कर घायल कर दिया। दोनों मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है।

### निमार्णाधीन मकान से सबमर्सिबल पंप चोरी

**बेलखरनाथ धाम।** कंधई थाना क्षेत्र के तरदहा निवासी महर्षि पांडे ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि पट्टी चिलबिला सड़क के किनारे अपनी पैतृक जमीन पर मकान का निर्माण करा रहा है। निमार्णाधीन मकान की बाउंड्री के अंदर पानी के लिए समरसेबल पंप लगाया है। वह 29६ 30 मार्च की रात समरसेबल पंप चोरी हो गया, सोमवार की सुबह 6 बजे जानकारी मिलने पर मौके पर गया तो पंप गायब था । मामले की जानकारी डायल 112 के साथ चैकी दीवानगंज पुलिस को दी, मंगलवार को महर्षि पांडे की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# जूता कारोबारी के लापता होने से परिजनों में कोहराम

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब रायपुर गांव निवासी जूता कारोबारी मोहम्मद यासीन (40) संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गए। गुरुवार दोपहर अपनी दुकान से निकले यासीन देर रात तक घर नहीं लौटे। जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं। परिजनों के अनुसार, मोहम्मद यासीन रोज की तरह 2 अप्रैल को पट्टी बाजार स्थित अपनी जूता-चप्पल की दुकान पर मौजूद थे। दोपहर के समय उन्होंने घरवालों को बताया कि वह किसी काम से प्रतापगढ़ जा रहे हैं और जल्द लौट आएंगे। लेकिन शाम ढलने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। रात करीब 9 बजे तक इंतजार करने के बाद परिवार ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिजनों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों को फोन कर जानकारी जुटानी शुरू की, मगर कहीं से भी कोई ठोस सूचना नहीं मिल सकी। रातभर परिजन और गांव के लोग आसपास के इलाकों, संभावित स्थानों और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन करते रहे, लेकिन यासीन का कोई पता नहीं चला। जैसे-जैसे समय बीतता गया, परिवार की चिंता और डर गहराता गया।परिजनों ने आशंका जताई है कि मामला सामान्य नहीं है। अचानक मोबाइल बंद होना और बिना सूचना गायब हो जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्र में भी इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। कोई इसे अपहरण से जोड़ रहा है तो कोई किसी साजिश की आशंका जता रहा है। लापता यासीन का हुलिया गेहुआं रंग, कद करीब 5 फीट 3 इंच और शरीर से थोड़ा भारी बताया गया है। घटना के समय उन्होंने गुलाबी रंग का कुर्ता, नीली पैंट पहन रखी थी और आंखों पर चश्मा लगाया था।घटना के बाद परिजनों ने पट्टी कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर दी और पुलिस से जल्द से जल्द यासीन की बरामदगी की मांग की है।इस मामले में कोतवाल आनंदपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।सर्विलांस और अन्य माध्यमों से युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल इस रहस्यमय गुमशुदगी ने पूरे इलाके को चिंता में डाल दिया है।

# जीने के लिए दर-दर भटक रहा कैंसर पीड़ित दिव्यांग

**जन जागरण समिति ने लगाई आम जनमानस, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से मदद की गुहार**

रोहित सिंह

**प्रतापगढ़।** जिंदगी और मौत के बीच खड़े परिवार के लिए एक कैंसर पीड़ित अधेड़ जिंदगी और मौत से लड़ रहा है। डाक्टरों ने जल्द से जल्द आपरेशन करने की बात कही है। इसके लिए एक बड़ी धनराशि की जरूरत पड़ेगी। लेकिन पीड़ित के हालात ऐसे है कि वह डाक्टर की फीस तक नहीं दे सकता। ऐसे में पीड़ित इलाज के लिए लोगों से मदद की अपील कर रहा है। विश्वनाथगंज बाजार के समीप स्थित रत्तीपुर गांव निवासी अब्दुल रईस उर्फ पप्पू पुत्र अब्दुल मजीद एक हाथ से दिव्यांग है। वह मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। उसके दो बेटे व दो बेटियां है। जिसमें से एक बेटा भी दिव्यांग है। पिछले एक साल से उसके मुंह में समस्या आ रही है। वह छोटी समस्या जानकर इधर उधर करता रहा लेकिन जब समस्या बढ़ी तो वह डाक्टर के पास पहुंचा। डाक्टर ने उसे जांच कराने की सलाह दी। लेकिन पैसे की तंगी की वजह से वह जांच कराने में सक्षम नहीं था। कई लोगों से अपनी पीड़ा बताने के बाद कुछ स्थानीय लोगों

ने मदद के लिए हांथ आगे बढ़ाया और उनकी जांच कराई। जांच में कैंसर की पुष्टि होने के बाद डाक्टरों ने जल्द से जल्द आपरेशन की सलाह दी। लेकिन आपरेशन में दो लाख से अधिक का खर्च बताया गया। जिसके बाद पीड़ित की हिम्मत और जबाव देने लगी। फिलहाल परिवार की जिम्मेदारियों के वजह से पीड़ित हार नहीं माना और स्थानीय लोगों से मदद की गुहार लगाने लगा। पीड़ित की मुलाकात स्थानीय एनजीओ जन जागरण समिति के कार्यकताओं से हुई। जिसपर कार्यकताओं ने पीड़ित का हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। जन जागरण समिति ने स्थानीय जनमानस, जनप्रतिनिधयों व अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए पीड़ित की मदद करने की अपील की है। जिससे जल्द से जल्द पीड़ित का आपरेशन संभव हो सकें।

# प्रेमिका के घर पकड़ा गया प्रेमी, बंद कमरें की खिड़की से निकलकर भागा

**आधे घंटे बाद प्रेमिका भी घर से हुई लापता, पुलिस कर रही है मामले की जांच**

**बेलखरनाथ धाम।** घर के अंदर प्रेमी के साथ पकड़े जाने पर घर वालों ने प्रेमी की धुनाई करते हुए उसे कमरे के अंदर बंद कर ताला लगा दिया। लेकिन मौका पाकर प्रेमी खिड़की से बाहर निकल कर भागा गया।उधर थोड़ी देर बाद प्रेमिका भी घर से लापता हो गई।हैरान परेशान परिजनों ने प्रेमी के विरुद्ध लड़की गायब करने की तहरीर पुलिस को दी है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।पट्टी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का युवक बगल गांव के एक युवती से मिलने बृहस्पतिवार की शाम सात बजे उसके घर पहुंच गया। और दोनों एक कमरे में थे।इस दौरान युवती के घर वालो को जानकारी हुई तो कमरे से युवती को बाहर निकालकर प्रेमी युवक को कमरे में बंद कर ताला लगा दिया और शोर मचाया। हल्ला सुनकर आसपास के लोग पहुच गए लेकिन तब तक मौका पाकर प्रेमी कमरे में पीछे लगी खिड़की से बाहर निकलकर भाग निकला।इधर आधे घंटे बाद युवती भी घर से गायब हो गई।इस मामले में युवती के परिजनों ने पट्टी कोतवाली में प्रेमी युवक के विरुद्ध तहरीर देकर कारवाई की मांग की है।इस संबंध में पूरेधना चैंकी इंचार्ज कमलेश कुमार ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच की जा रही है।घटना को लेकर इलाके में कई तरह की चचाएं हो रही है।

# नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका हुई सम्मानित, खुशी

**लालगंज।** नगर पंचायत के जैनपुर वार्ड में शुक्रवार को शिक्षक अजीत शुक्ला की पुत्री नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका शुक्ला का ग्रामीणों द्वारा समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। सफलता के बाद अवंतिका गांव पहुंची तब परिजनो व ग्रामीणों में खुशी का माहौल दिखा। बड़ी संख्या में लोग अजीत शुक्ला के आवास पर पहुंचे और बेटी की सफलता पर खुशी का इजहार किया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने भी नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका को बुकें तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। स्वागत सह संयोजिका माधुरी शुक्ला व आभार प्रदर्शन अंजली शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का संयोजन आईपी मिश्र व संचालन अधिवक्ता श्रीशचंद्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर प्रेमशंकर तिवारी, प्रदीप मिश्र, निशा मिश्रा, दिनेशपाल मिश्र, श्रीराम तिवारी, चंदन तिवारी, अंकित शुक्ला, सोनू मिश्र, विनय पाण्डेय आदि रहे।

# जमीन विवाद में हुई मारपीट में दो घायल, दी तहरीर

**प्रतापगढ़।** जमीन विवाद में हुई मारपीट की घटना में दो लोग घायल हो गये। घायलो को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के आहरबीहर गांव निवासी चंद्रशेखर सिंह पुत्र रामशरण सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि शुक्रवार को सुबह करीब ग्यारह बजे गांव के कुछ लोग दीवार बनवा रहे थे। आरोप है कि पीड़ित के भाई उदय भास्कर ने दीवार सीधी करके अपनी जमीन में बनाने के लिए कहा तो आरोपी गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट कर पीड़ित व उसके भाई को घायल कर दिया। घायलो को इलाज के लिए सीएचसी सांगीपुर भेजा गया। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सको ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रशिक्षु आईपीएस आफताब आलम का कहना है कि घटना की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

# अज्ञात कारणों से जंगल में लगी भीषण आग

**अखंड भारत संदेश**

**पट्टी।** आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के दयालगंज बाजार के पास नहर किनारे स्थित जंगल में शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बाजार में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आसपास के दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैलती रही और ग्रामीण बेबस नजर आए।घटना की सूचना मिलते ही देवसरा पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद

आग पर काबू पाया।इस भीषण आग में जंगल की बहुमूल्य संपदा को भारी नुकसान हुआ है। शीशम, नीम और बबूल समेत कई हरे-भरे पेड़ जलकर नष्ट हो गए। हालांकि, किसी जनहानि की सूचना नहीं है।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस संबंध में फायर ब्रिगेड केवल सिंह ने बताया कि सूचना पर मौके पर टीम पहुंची थी आग पर काबू पा लिया।

### तेज आंधी और बूंदाबांदी से किसानों की बढ़ी चिंता

**पट्टी।** तहसील क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली। तेज हवा के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिससे किसानों के चेहरे पर मायूसी साफ झलकने लगी। तेज हवाओं के चलते खेतों में खड़ी फसल को नुकसान होने की आशंका गहरा गई है। स्थानीय किसानों का कहना है कि इस समय फसल पूरी तरह तैयार है और कटाई के कगार पर है। ऐसे में बेमौसम बारिश और तेज हवा से फसल गिरने और खराब होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है। किसान रामनाथ, शिवम, देवेंद्र शुक्ला, छोटू मिश्रा, पंकज सिंह, राम लवट समेत अन्य लोगों ने बताया कि अगर इसी तरह मौसम बिगड़ा रहा तो गेहूं और अन्य फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने चिंता जताई कि पहले से ही लागत बढ़ी हुई है, ऐसे में फसल खराब होने पर आर्थिक संकट और गहरा जाएगा। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आंकलन कर राहत दिलाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस संभावित संकट से उबरने में मदद मिल सके।

### घरेलू विवाद में मारपीट, तीन घायल

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र के सुमतपुर गांव में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। घटना से गांव में हड़कंप मच गया और पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है। पीड़ित संदीप पाण्डेय ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उसका भाई आए दिन घर में घुसकर मारपीट करता है और परिवार को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहता है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे आरोपी ने घर में घुसकर संदीप के बेटे और पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंची बेटी अर्चना को भी आरोपी ने नहीं बख्शा और उसे भी जमकर पीट दिया। इस मारपीट में अर्चना, रौनक और रेखा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पीड़ित ने मामले में नामजद शिकायत दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। कस्बा प्रभारी प्रशांत कटियार ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही।

# भगवान श्रीकृष्ण के स्मरण मात्र से जीवन में सुमंगल की हुआ करती है वृद्धि : आचार्य देवव्रत

**शिवबोझ में कथा विश्राम पर सुदामा कृष्ण मैत्री प्रसंग पर भावविभोर हुए श्रद्धालु**

**प्रतापगढ़।** लक्ष्मणपुर क्षेत्र के शिवबोझ गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर आचार्य देवव्रत महाराज द्वारा सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष कथा और श्रीमद्भागवत महात्म्य की सजीव चित्रण ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने सुदामा-कृष्ण की अटूट मित्रता और भगवान की कृपा का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस अवतार में समता का संदेश दिया। उन्होने सुदामा की गरीबी भगवान कृष्ण के पास जाना, द्वारपालों द्वारा रोकना, कृष्ण द्वारा सुदामा का भव्य स्वागत और मित्रता की मिसाल, तक्षक नाग द्वारा परीक्षित को डसना और सुखदेव जी द्वारा परीक्षित को मोक्ष प्राप्ति की कथा का वर्णन किया। उन्होने कहा कि श्रीमदभागवत कथा से हमें यह सीख मिलती है कि भक्ति की परिपूर्णता में जीवन में प्राणी को मृत्यु का भय खत्म हो जाता है। उन्होने कहा कि भगवान के प्रति समर्पण से मनुष्य भव

बन्धन से मुक्त हो जाता है। कथा विश्राम दिवस पर मुख्य यजमान राजेन्द्र तिवारी व शान्ती देवी ने कथाव्यास को रोली चन्दन लगाकर अभिषेक किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, रामराज पाण्डे, बड़ेलाल शुक्ल, सुरेश मिश्र मदन, श्यामजी जायसवाल, उमेश पाण्डे, प्रमोद मिश्र, राजेश मिश्र रज्जन, मनीष तिवारी, राज कुमार शुक्ल, राजीव शुक्ल, मनोज तिवारी, मान्यता तिवारी, अर्चना तिवारी आदि रहे।

# बाबू जगजीवन राम के विचार सामाजिक न्याय, समतामूलक समाज दलित उत्थान और समावेशी विकास पर आधारित थे : गौरव पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** मंझनपुर स्थित पाटी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में दिनांक 4 अप्रैल को लखनऊ प्रदेश मुख्यालय में बाबू जगजीवन राम जी के जयंती के अवसर पर पूर्व संध्या गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए पदाधिकारियों के साथ बैठक की इस आयोजन में कौशाम्बी जिले से भारी संख्या में लोग भाग लेंगे इस दौरान गौरव पाण्डेय ने कहा कि जगजीवन राम जी जिन्हें सहपूर्ण रूप से ''बाबूजी' भी कहा जाता था, एक भारतीय राजनेता तथा भारत के प्रथम दलित उप-प्रधानमंत्री एवं एक महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता,संविधान सभा के सदस्य थे।उन्होंने भारत के कृषि मंत्री के रूप में हरित क्रांति (1971) और रक्षा मंत्री के रूप में 1971 के भारत-पाक युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर हम सभी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देशानुसार कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद नव नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी से महासचिव बनाए गए रवि नारायण तिवारी गिल्ली एवं जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल को माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया और बधाई दी गई.कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव ,रमेश यादव,शशि मिश्रा विभा देवी,प्रभा देवी,गोलू जायसवाल,जीतू मिश्रा,नोखे लाल यादव,समर सरोज,दिलीप पासी,सुरेश पासी सहित दजर्नों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## गेंद खेलने के विवाद में युवक पर लाठी डंडे से दबंगों ने किया हमला

**हररायपुर कौशांबी** संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कुरई गांव में सतीश कुमार पुत्र लालचंद का गेंद खेलने को लेकर के कुछ लड़कों से विवाद हो गया शुक्रवार को सतीश कुमार दुकान से सामान ले कर वापस लौट रहा था सुरजीत और वीरेंद्र ने सतीश कुमार को रास्ते में घेर लिया और लाठी डंडा लोहे के रॉड से बेरहमी से पीट कर घायल कर दिया है घायल सतीश को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है।

## पुस्तकों के वितरण में प्राथमिक विद्यालय हिसामपुर परसखी के बच्चों में दिखा उत्साह

**टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी** सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पुस्तक वितरण की जा रही है पुस्तक मिलते ही बच्चों में उत्साह दिखाई पड़ रहा है जनपद के परिषदीय विद्यालयों में 1 अप्रैल से नवीन शैक्षिक सत्र का विधिवत शुभारंभ हो गया है। सत्र के प्रारंभ से ही बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो सके,इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने इस बार समय से पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं।इसी क्रम में गुरुवार को कड़ा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय हिसामपुर परसखी में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को विभाग से प्राप्त निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। पुस्तक वितरण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला और बच्चों के चेहरे पर नई किताबें पाकर खुशी झलक उठी।इंचार्ज प्रधानाध्यापक रामकृष्ण साहू ने बच्चों को पुस्तकें वितरित करते हुए कहा कि ये पुस्तकें पूरे शैक्षिक सत्र में उनकी पढ़ाई का आधार हैं,इसलिए इन्हें सुरक्षित रखें और नियमित अध्ययन करें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई में सहयोग करें,ताकि बेहतर शैक्षिक परिणाम प्राप्त हो सकें।उन्होंने बताया कि समय पर पुस्तकों के वितरण से बच्चों की शिक्षण व्यवस्था प्रारंभ से ही सुदृढ़ होगी और उन्हें किसी प्रकार की शैक्षिक असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं माया सिंह,संध्या देवी पटेल व बीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे और उन्होंने भी बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

# मेघावी छात्रों को धर्मा देवी इंटर कॉलेज में किया गया सम्मानित

### भारत समाचार के मुख्य सलाहकार शैलेश मिश्रा द्वारा सत्र 2025-26 के मेधावियों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार के प्रांगण में दिनांक 03 अप्रैल 2026 को सत्र 2025-26 में अपनी-अपनी कक्षाओं में शीर्ष 05 स्थान प्राप्त करने वाले धर्मा देवी इण्टर कॉलेज व डी डी कॉन्वेंट स्कूल के छात्र छात्राओं को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में अंक पत्र व शील्ड देकर मुख्य अतिथि भारत समाचार के मुख्य सलाहकार शैलेश मिश्रा व विशिष्ट अतिथि रणविजय निषाद (शिक्षक व समाजसेवी) द्वारा सम्मानित किया गया।साथ ही अपने अपने विंग में टॉप करने वाले छात्र/छात्राओं को अंक पत्र,शील्ड, बैग व 500 रूपये का नकद पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित कर आगामी कक्षाओं व प्रतियोगिताओं हेतु प्रोत्साहित किया गया,जिसमें नसरी से कक्षा 01 में टॉपर छात्रा सोना देवी पुत्री श्री राम नरेश, कक्षा 2 से 5 में टॉपर छात्रा हिमांशी पुत्री श्री वीरेंद्र,कक्षा 6 से 8 में टॉपर छात्र प्रतीक नामदेव पुत्र श्री शत्रुधन प्रसाद,कक्षा 09 टॉपर सृष्टि पुत्री श्री राकेश कुमार और कक्षा 11 टॉपर छात्र आदित्य गुप्ता पुत्र बांके लाल ने अपने अपने विंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने अनुशासन व नियमित अध्ययन सम्बन्धी विषयों पर सम्बोधित किया। साथ ही विशिष्ट अतिथि ने जल संरक्षण और हिन्दी विषय में शुद्ध वतनी निर्माण/पहचान सम्बन्धी जानकारी दी।इस सम्मान समारोह के अवसर पर सिराथू बार एसोसिएशन के महामंत्री राम करन यादव,रेवती रमण नील कमल मिश्र,प्रबन्धक राम सुभग त्रिपाठी, प्रधानाचार्य डी डी कॉन्वेंट स्कूल एस बी सिंह आदि गणमान्य एवं अभिभावक बन्धुओं की गरिमामय उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन रामशंकर सिंह ने किया साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान प्रदशनी में कौशांबी जनपद को गौरवान्वित करने वाले छात्र राज पांडेय व अनुराग कुमार को मार्गदर्शक शिक्षक बलवंत कुमार को 5 हजार का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

# डोरमा हादसे में 10 की मौत के बाद भी नहीं चेता प्रशासन

### सवारियों से भरे ट्रैक्टर-पिकअप दौड़ रहे बेखौफ

अखंड भारत संदेश

**टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी।** कोखराज थाना क्षेत्र के टेढ़ीमोड चौराहे पर शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे एक बार फिर लापरवाही का खतरनाक नजारा देखने को मिला।डोरमा में हुई दर्दनाक दुर्घटना में दस लोगों की मौत के बाद भी शासन-प्रशासन ट्रैफिक पुलिस और सीसी टीम की सक्रियता सवालों के घेरे में है।हाईवे से नीचे उतरकर एक ओर से दूसरी ओर जाने वाले मार्ग पर नियमों को दरकिनार कर सवारियों से भरे ट्रैक्टर और पिकअप धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टेढ़ीमोड चौराहे के नीचे से गुजर रहे एक ट्रैक्टर में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और पुरुष सवार थे। बीच रास्ते ट्रैक्टर को रोककर लोग उतरते और चढ़ते नजर आए। उसके बाद ट्रैक्टर दोबारा रवाना हो गया, लेकिन इस दौरान कहीं भी पुलिस या प्रशासन की मौजूदगी नहीं दिखी।स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे वाहन कहां से आ रहे हैं और कहां जा रहे हैं,इसकी निगरानी करने वाला कोई नहीं है।सवारियों से ठसाठस भरे ये वाहन खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ी घटना हो सकती है।डोरमा हादसे में 10 लोगों की मौत के बाद भी यदि जिम्मेदार विभाग सतर्क नहीं होते हैं,तो यह स्थिति किसी दूसरी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए ऐसे वाहनों पर रोक लगाने और चौराहों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

## चोरी के वांछित अभियुक्त को महेवाघाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

**महेवा घाट कौशांबी।** महेवाघाट थाना क्षेत्र के डकशरीरा गांव से 6 मार्च की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स वढ71 अख8033 चोरी कर लिया गया था सुनील कुमार पुत्र गंगाचरन नि0 ग्राम बहलोलपुर ऐलई थाना खागा जनपद फतेहपुर ने बताया कि उसने अपने भतीजे को बाइक दी थी भतीजे के घर ग्राम डकशरीरा में बाइक खड़ी थी थाना में मु0अ0सं0 48/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत हुआ अभियुक्त सूबेदार उर्फ अतुल एवं 02 बाल अपचारी को पूर्व में दिनांक 14.03.2026 को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार/अभिरक्षा में लेकर पुलिस ने न्यायालय भेजा था। इसी क्रम में दिनांक 03.04.2026 को थाना महेवाघाट पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अभिषेक उर्फ अजय पुत्र छोटे लाल निवासी ग्राम ऊनों थाना मंझनपुर को अजरौली नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है।

## खान निरीक्षक एवं उनकी टीम पर हमला करने की घटना में शामिल एक और अभियुक्त गिरफ्तार

**कौशांबी।** पिपरी थाना क्षेत्र में दिनांक 29.03.2026 को शत्रुघ्न सिंह खान निरीक्षक और उनकी टीम पर हमला किया गया था अवैध परिवहन खनन नियंत्रण हेतु तहसील चायल क्षेत्र के कसेंदा स्थित भारत पेट्रोलियम टंकी के पास चेकिंग कर रहे थे उसी दौरान 03 ओवरलोड मोरम लदे वाहन को रोके जाने पर वाहन चालकों द्वारा वाहन को पेट्रोल टंकी पर खड़ा कर दिया गया प्रपत्र मांगने पर उनके वाहन चालक व भारत पेट्रोलियम के मालिक व अन्य लोगो द्वारा चेकिंग टीम पर हमला कर दिया गया जिससे खान निरीक्षक सहित टीम के लोग चोटिल हुए पिपरी थाना पर मु0अ0सं0 69/2026 धारा 191(2)/132/121(1)/221/61(2)/109(1) बीएनएस पंजीकृत हुआ घटना से सम्बन्धित 04 अभियुक्तों को पुलिस ने दिनांक 30.03.2026 गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये जेल भेजा था। इस क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित एक और वांछित अभियुक्त हरिओम कुमार साहू पुत्र शीतला प्रसाद साहू निवासी ग्राम भरहा थाना करछना जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

## नाबालिक बालिका को भगा ले गया युवक

**अझुवा कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धमावा गांव की एक दलित नाबालिक बालिका उम्र 16 वर्ष को गांव का अमन पांडे 31 मार्च को भगा ले गया है बालिका के माता ने थाना पुलिस को सूचना दिया है जिस पर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया और बालिका की खोज कर रही है आरोपी को गिरफ्तार करने का पुलिस प्रयास कर रही है।

## जबरिया जमीन की रजिस्ट्री कराने का प्रयास करने वाले 4 लोगों पर मुकदमा दर्ज

**अझुवा कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के अझुवा कस्बे के अखिलेश कुमार पुत्र शंकर लाल की जमीन का जबरिया रजिस्ट्री करने का प्रयास उनके ही परिवार रिश्तेदार दीपक कुमार जतिन कुमार नरेंद्र उर्फ नितिन वा अमित केशरवानी कर रहे थे 3 अप्रैल को अखिलेश की दुकान पर दीपक जतिन नरेंद्र उर्फ नितिन वा अमित केशरवानी पहुंचे और दुकान का ताला तोड़ने लगे गाली गलौज करने लगे पैसे के लेनदेन को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था गाली गलौज करते हुए जमीन की रजिस्ट्री करने का दबाव बनाने लगे जिस पर अखिलेश ने मामले की सूचना पुलिस को दी है पुलिस ने 4 आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश कर रही है।

## मोबाइल फोन पर युवती से अश्लील बात करने वाले युवक पर दर्ज हुआ मुकदमा

**अझुवा कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के धुमाई गांव की एक युवती से मोबाइल फोन पर आए दिन युवक अश्लील बात करता है जिससे युवती परेशान हो गई है मामले की सूचना उसने चौकी पुलिस को दिया लेकिन कोई कार्यवाही न होने पर युवती पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और एसपी से शिकायत कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की युवती की शिकायत पर एसपी के निर्देश पर सैनी कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के मोबाइल नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मोबाइल नंबर के जरिए आरोपी युवक की पुलिस तलाश कर रही है।

## आरोपियों के विरुद्ध सैनी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

**अझुवा कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के कोरियो गांव में रास्ते की जमीन पर दबंग दीवार खड़ी कर रहे थे गांव की रहने वाली माया देवी पत्नी बीरेंद्र ने रास्ते की जमीन में दीवार खड़ा करने से मना किया जिस पर उमेश पाल रत्ती पाल फूलमती पूनम नीलू आदि लोगों ने 01 अप्रेल की दोपहर माया देवी उसकी देवरानी सोना देवी और भतीजी वर्षा देवी को गाली गलौज करते हुए लात घूंसो से बेरहमी से मारा पीटा है जिससे तीनों महिलाएं को चोट आई हैं माया देवी ने सैनी कोतवाली पुलिस को सूचना दी है पुलिस ने पांच आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

# सरकारी जमीन से कब्जा खाली करने में उदासीन है तहसील प्रशासन

### एसडीएम द्वारा दिए गए 4 महीने पहले आदेश का पालन नहीं कर सके तहसीलदार

अखंड भारत संदेश

**कौशांबी।** मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊनो में तालाब की 3 बीघा भूमि पर गलत तरीके से दबंगों ने नाम दर्ज करवा लिया था तीन बीघा तालाब की जमीन पर नाम दर्ज करवाने के बाद तीन बीघा अतिरिक्त तालाब की भूमि कुल 6 बीघा तालाब की भूमि पर दबंगों ने कब्जा कर लिया और उसे अपने निजी संपत्ति बनाकर खेती करते थे लाखों रुपए की फसल बेचते थे फसल की बिक्री से तहसील कमी हिस्सेदार होते थे मामले की शिकायत लगातार अधिकारियों से होती रही लेकिन केवल नाटक बाजी तक तहसील प्रशासन सीमित रहा एसडीएम ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान 4 महीने पहले तालाब की भूमि को तालाब में दर्ज करने का निर्देश दिया लेकिन एसडीएम के निर्देश के बाद भी अभी तक तालाब की भूमि से दबंगों का कब्जा नहीं खाली हो सका है इसके अलावा भी तीन बीघा तालाब की जमीन पर दबंगों का कब्जा है अभी तक तालाब की भूमि दबंग के कब्जे में मौजूद है जिससे तहसील प्रशासन की उदासीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है खतौनी में नाम निरस्त कर तालाब की भूमि पर 4 महीने पूर्व तालाबदर्ज करने के आदेश के बाद भी भूमाफियाओं का तालाब की जमीन पर लगातार कब्जा बना हुआ है एसडीएम द्वारा तालाब की भूमि को खाली कराने का निर्देश 4 महीने पहले तहसीलदार मंझनपुर को दिया गया था लेकिन 4 महीने बीत जाने के बाद अभी तक तालाब की 6 बीघा भूमि भू माफियाओं के कब्जे से खाली नहीं हुई है पहले हरी फसल खड़ी थी अब फसल पक कर तैयार तालाब की जमीन पर खड़ी है लेकिन तालाब की भूमि को तालाब के कब्जे में लाने का प्रयास तहसीलदार ने नहीं किया है सवाल उठता है कि बीते 20 वर्षों से 20 बीघा तालाब की भूमि पर कब्जा करके दबंगों द्वारा खेती की जा रही है और तालाब की भूमि की खेती से अनाज के उत्पादन को बेचकर राजस्व कमी हिस्सा वसूली कर रहे थे गांव के लोगों द्वारा अधिकारियों से बार-बार शिकायत हो रही थी लेकिन तालाब की भूमि को साबित करने में 20 वर्ष से अधिक समय अधिकारियों को लग गए और जब तालाब की भूमि को एसडीएम ने साबित कर दिया है तो उसके बाद भी दबंग के कब्जे से तालाब की 6 बीघा भूमि खाली नहीं हुई है जिससे सरकारी जमीनों पर किए गए कब्जे को खाली करवाने में तहसील प्रशासन की उदासीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी जमीनों में कब्जे के मामले में केवल अभिलेखों के सहारे कब्जा मुक्त जमीन की बात अधिकारी करते हैं जबकि जमीनी हकीकत में सरकारी जमीनों पर कब्जा तहसील के जिम्मेदारों के संरक्षण में हो रहा है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान एसडीएम मंझनपुर में आदेश देते हुए अपने आदेश में लिखा है कि तहसीलदार मंझनपुर की आख्या अनुसार ग्राम पंचायत ऊनो की आराजी संख्या 279 तालाब के खाते में अंकित खातेदार बिमला देवी पत्नी रामसूरत वा ननकी देवी पत्नी देवमूरत वा खाता संख्या 306 तालाब के खाते में अंकित खातेदार अलख चंद्र पाण्डेय वा देव मूरत पांडे व राम मूरत पांडे वा शिव मूरत पांडे पुत्रगण रामसूरत पांडे का नाम निरस्त करते हुए इनके द्वारा किए गए समस्त सम्व्यवहारण को शून्य घोषित करते हुए वादग्रस्त भूमि को पूर्व की भांति भूमि श्रेणी 6 एक तालाब जलमग्न भूमि में दर्ज किए जाने का निर्देश उप जिलाधिकारी मंझनपुर द्वारा मुकदमा वाद संख्या 12614 सन 2025 विमला देवी आदि के मुकदमे की सुनवाई के दौरान 21 नवम्बर 2025 को दिया गया था लेकिन 4 महीने बीत जाने के बाद एसडीएम के इस आदेश का पालन तहसीलदार नहीं कर सकते हैं अभी तक सरकारी जमीन पर दबंग का कब्जा बना हुआ है इसके अलावा भी गांव के कई तालाब में दबंग का कब्जा है तालाब की जमीन में दबंग खेती कर रहे हैं खेती से तैयार फसल को बेचकर राजस्व कमी और दबंग मालामाल हो रहे हैं जिससे व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर जब एसडीएम का आदेश तहसीलदार पालन नहीं कर पाते हैं तो आम जनता को वह कैसे निष्पक्ष तरीके से न्याय देते होंगे।

## न्यूज झरोखा

### अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत वृद्ध आश्रम में योग शिविर आयोजित

**कौशांबी।** अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत वृद्धाश्रम, ओसा में बुजुर्गों के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजना के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग के निर्देशन में पूर्वांचल सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया।योग शिविर का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों को जोड़ों के दर्द, गठिया, साइटिका एवं उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों में राहत प्रदान करना रहा। साथ ही योग के माध्यम से मानसिक तनाव को कम कर बेहतर नींद एवं समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने पर भी जोर दिया गया योग प्रशिक्षक संतोष कुमार ने बताया कि नियमित योग अभ्यास से जोड़ों की जकड़न कम होती है, शरीर में लचीलापन बढ़ता है तथा मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इससे शरीर में संतुलन एवं स्थिरता भी आती है।इस अवसर पर वृद्धाश्रम प्रबंधक आलोक राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

### पीट पीट कर युवक की हत्या करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

**कौशाम्बी।** चरवा थाना क्षेत्र के बरियावां गांव में गुरुवार की सुबह दो पक्षों के बीच जमकर लाठी चली थी जिसमें सात लोग घायल हो गए थे इलाज के दौरान एक युवक पुनीत की मौत हो गई थी दोनों परिवार के बीच पहले से खूनी संघर्ष की भूमिका चल रही है पुनीत के परिवार के लोगों ने पहले भी हत्या की थी जिससे दोनों परिवार के बीच दुश्मनी का माहौल बना हुआ था पुनीत हत्याकांड में शामिल 6 आरोपी रामलाल,रामानंद,अजीत वा रामप्रकाश,शिवमूरत,राजेन्द्र को थाना पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लाठी बरामद करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

### पुलिस अधीक्षक ने किया चरवा थाने का निरीक्षण

**कौशाम्बी।** पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत द्वारा शुक्रवार को थाना चरवा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का एसपी ने गहनता से अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

### एएसपी ने की जनसुनवाई, संबंधित थाना प्रभारियों को दिए आवश्यक निर्देश

**कौशांबी।** अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह द्वारा दिनांक 03.04.2026 कोपुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई।जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे जनता को समयबद्ध न्याय मिल सके।

### सोशल मीडिया में तमंचा की फोटो वायरल करने वाला भेजा गया जेल

**कोखराज कौशांबी।** सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति का अवैध तमंचा के साथ फोटो वायरल होने पर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने मामले को संज्ञान लेकर वायरल फोटो की जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु थाना कोखराज पुलिस को निर्देशित किया दिनांक 03.04.2026 को थाना कोखराज पुलिस ने वायरल फोटो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान करते हुए अभियुक्त गगन तिवारी उर्फ नीलू तिवारी पुत्र रामनारायण तिवारी निवासी निधियावां थाना कोखराज को बसावनपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया फोटो में दिख रहे अवैध तमंचे के बारे में अभियुक्त से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि तमंचा कल्याणपुर बस स्टाप के पीछे नीबू के बाग में छिपा के रखा है अभियुक्त की निशादेही पर 01 तमंचा 12 बोर पुलिस ने बरामद किया गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोखराज पर मु0अ0सं0 188/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेजा।

### वारण्टी अभियुक्त को सैनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कौशांबी** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 149/21 धारा 323/504/506 भादवि थाना सैनी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त बबलू सिंह पुत्र स्व0 रामबली निवासी उदयराज का पुरवा कोरियो थाना सैनी को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

### वारण्टी अभियुक्त को मंझनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कौशांबी।** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा एनसीआर सं0 37/20 धारा 323/504 भादवि थाना मंझनपुर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त रामलाल पुत्र स्व0 पियारे निवासी खोरा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

### वारण्टी अभियुक्त को पिपरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कौशांबी** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 259/23 धारा 323/504/506/308 भादवि थाना पिपरी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त दिनेश कुमार पुत्र कन्धई लाल निवासी फतेहपुर सहावपुर थाना पिपरी को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

### विद्युत शॉर्ट सर्किट से 5 झोपड़ियां राख

**कौशांबी।** मंझनपुर तहसील क्षेत्र के करारी थाना के हिसामपुर डेरा में विद्युत शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लगने से 5 झोपड़ियां राख हो गई है फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया एक मकान का छप्पर जल गया अग्निकांड में 5 परिवारों का बड़ा नुकसान हुआ है बड़ा हादसा टल गया कोई जनहानि नहीं हुई है।

### नाबालिग बालिका को 12 घण्टे के अन्दर बरामद

**कौशांबी।** करारी थाना क्षेत्र से दिनांक 02.04.2026 को नाबालिग लड़की को नाबालिग बालक बहला फुसला कर भगा ले गया है नाबालिक बालक और नाबालिक बालिका दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने करारी थाना पर मु0अ0सं0 80/26 धारा 137 (2)/87 बीएनएस अभियोग पंजीकृत हुआ नाबालिग बालिका को 12 घण्टे में पुलिस ने बरामद कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की।मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नाबालिग बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया विधिक कार्यवाही के पश्चात नाबालिग बालक को न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया।

## सम्पादकीय

### नक्सलवाद पर सरकार की सोच

**अमीर** कजलबाश के इस शेर का मतलब भाजपा के लोग ही अब बेहतर समझेंगे और समझाएंगे। क्योंकि शासन भी उन्हीं का है, दावे भी उन्हीं के हैं और सच-झूठ ठहराने का हक भी उन्होंने अपने पास ही रखा है। देश की तमाम समस्याओं के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने का चलन भी भाजपा का ही है। फिर चाहे वह आतंकवाद हो, पड़ोसी देशों से संबंध हों, महंगाई या बेरोजगारी हो या नक्सलवाद हो। हर बात के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना ही इस सरकार की खास पहचान है। बहरहाल, ऊपर लिखी इन पंक्तियों की याद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे के बाद आई, जिसमें भारत से नक्सलवाद को खत्म बताया गया है। पाठक जानते हैं कि अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सलमुक्त कराने की बात कही थी। और सोमवार 30 मार्च को लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान कहा कि सबसे पहले मैं रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र, जिसमें 12 राज्य और 70 प्रतिशत का भूभाग शामिल थे, उसमें रह रही जनसंख्या की तरफ से सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि जो लोग कह रहे हैं कि अब तक आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? तो, वो खुद बताएं कि 70 सालों से उन्होंने क्या किया?

गृहमंत्री की कही इस एक पंक्ति से जाहिर हो गया कि भाजपा के लिए नक्सलमुक्त भारत बनाने की उपलब्धि का ज्यादा महत्व इसलिए है क्योंकि इसके जरिए कांग्रेस और वामदलों को घेरा जा सकता है। वर्ना नक्सलवाद देश के लिए एक ऐसी समस्या बनी हुई थी या अब भी है, जिसकी चपेट में न केवल कांग्रेस, बल्कि भाजपा, वामदल और कई क्षेत्रीय दल भी आए हुए हैं। प.बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार इन तमाम राज्यों में कांग्रेस, भाजपा अथवा क्षेत्रीय दलों की सरकारें रहीं और बरसों-बरस इन सभी सरकारों ने नक्सलियों से मोर्चा लिया। इनके नेता नक्सलियों के निशाने पर बने रहे।बेशक नक्सलवाद पर राजनीति करने के कारण ही इसका समाधान ढूंढने में कठिनाइयां हुईं। नक्सलियों को कभी मुख्यधारा में लाने की कोशिशें हुईं, कभी उनसे मुठभेड़ें हुईं, कभी नक्सलियों के शीर्ष नेताओं पर ईनाम रखे गए, कभी सलवा जुडूम जैसे उपायों से ग्रामीणों को अपने साथ लेकर सरकार ने मुकाबला करना चाहा। इन तमाम उपायों में कभी सफलता मिली, कभी असफलता, तो कभी गंभीर विवाद खड़े हुए। इसकी बड़ी वजह यही है कि नक्सलवाद को काले या सफेद रंग में बांट कर विश्लेषित नहीं किया जा सकता। यह एक गुत्थियों में उलझा हुआ मसला है, जिसके हरेक सिरे को बड़ी सावधानी से पकड़ने और अलग करने की जरूरत है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने अक्सर वाहवाही बटोरने के लिए कठोर कार्रवाइयां करने का दावा किया और कई बार यह बताया कि नक्सली हताश हो चुके हैं।

# माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

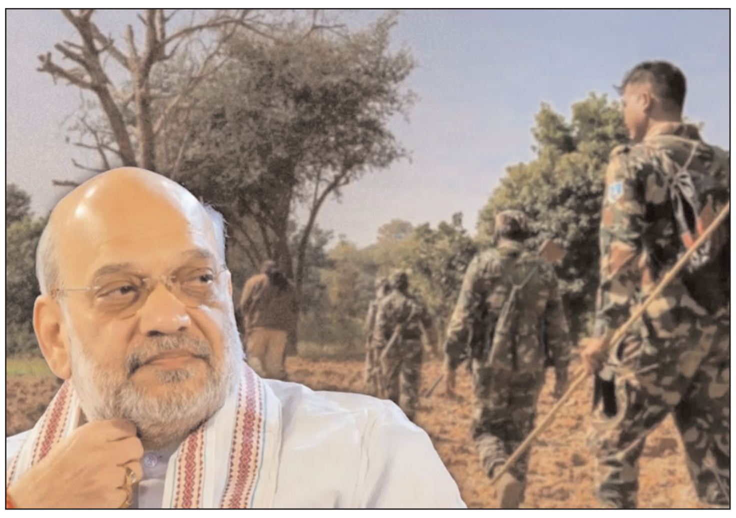

-: ललित गर्ग:-

**भारत** जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं ह्यफोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनोंह्न की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। ह्यसुरक्षा और विकासह्न के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

# पश्चिम एशिया में युद्ध के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत

डॉ. ज्ञान पाठक

**तैयार** उत्पादों के भंडारण की क्षमता आमतौर पर एक महीने की आवश्यकता से अधिक नहीं होती है। इसलिए, यदि रिफाइनरियों को बंद कर दिया जाता है, तो संघर्ष समाप्त होने के बाद भी सामान्य तेल उत्पादन फिर से शुरू करने में काफी समय लगेगा। कुल मिलाकर, इन क्रमिक प्रभावों से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ने और मुद्रास्फीति के दबाव के और बढ़ने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2026-27 की ठीक शुरूआत में, जो 1 अप्रैल, 2026 से शुरू हो रहा है, भारत को कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत एक बड़ा ऊर्जा आयातक देश है और पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ उसके मजबूत व्यापार, निवेश और रेमिटेंस (विदेशों से आने वाले पैसे) के संबंध हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र फरवरी 2026 में अमेरिका और इज?ायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध के बाद से एक युद्ध क्षेत्र में बदल गया है। भारत का 2026-27 का बजट संसद में बहुत पहले, 1 फरवरी को ही पेश कर दिया गया था, जो अब बेमानी हो गया है। अब बदलती स्थिति को देखते हुए, भारत के लोगों को बचाने के लिए सोच-समझकर बनाई गई नीतियों की जरूरत है। एक अनुमान के अनुसार, मार्च की शुरूआत में रुपये के गिरकर 93 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच जाने से, 2022 की शुरूआत की तुलना में देश की 18.7 प्रतिशत आबादी पहले ही गरीबी में धकेली जा चुकी है, और यह गिरावट अभी भी जारी है। 30 मार्च को,

यह 94.78 रुपये प्रति डॉलर था।

मार्च 2026 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि आर्थिक परिदृश्य और भी ज्यादा अनिश्चित हो गया है, जिससे ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स के मुख्य चैनल बाधित हुए हैं और वैश्विक आपूर्ति की स्थिति और भी कड़ी हो गई है। मार्च 2026 की समीक्षा में फरवरी तक के कई आंकड़ों को आधार बनाया गया है, और इसलिए समीक्षा में खुद यह माना गया है कि यह संघर्ष के लगातार बदलते असर को पूरी तरह से शायद न दिखा पाए। हालांकि, मार्च के हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि हाल के झटकों का असर बढ़ती इनपुट लागत, आपूर्ति में रुकावटों और सभी क्षेत्रों में बढ़ते दबाव के रूप में सामने आ रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर, फरवरी 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत के 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसकी मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आई तेज उछाल थी। आगे चलकर महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है।

व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता एक आम बात बन गई है। इस बदलाव के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें टैरिफ और अन्य पाबंदियां, साथ ही भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली चुनौतियां शामिल हैं।

चालू खाता घाटा पहले से ही बढ़ रहा है। शुद्ध एफडीआई का स्तर कम ही बना रहा और लगातार पांच महीनों तक ऋणात्मक रहा। मार्च 2026 में पोर्टफोलियो प्रवाह नकारात्मक बना रहा।

जनवरी 2026 तक वैश्विक भूराजनीतिक जोखिम सूचकांक पहले ही एक नए उच्च स्तर पर पहुंच चुका था, और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने स्थिति को और खराब कर दिया है। औसत कमोडिटी की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। समीक्षा में कहा गया है कि मूल समस्या एक साथ पड़ने वाला दोहरा दबाव है - न तो कच्चा तेल आ रहा है, और न ही तैयार उत्पाद बाहर जा पा रहे हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कटौती करनी पड़ेगी, क्योंकि भंडारण (बंकरिंग) सुविधाएं पूरी तरह भर चुकी हैं और टैंकरों के फंसे होने के कारण उन्हें खाली नहीं किया जा सका है।

तैयार उत्पादों के भंडारण की क्षमता आमतौर पर एक महीने की आवश्यकता से अधिक नहीं होती है। इसलिए, यदि रिफाइनरियों को बंद कर दिया जाता है, तो संघर्ष समाप्त होने के बाद भी सामान्य तेल उत्पादन फिर से शुरू करने में काफी समय लगेगा। कुल मिलाकर, इन क्रमिक प्रभावों से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ने और मुद्रास्फीति के दबाव के और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक विकास के जोखिम नीचे की ओर झुकते दिख रहे हैं।

## पाली में गेहूं की क्रॉप कटिंग कर जिलाधिकारी ने परखी उपज, औसत उत्पादन 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर आंका

अखंड भारत संदेश

**भदोही। जनपद** में रबी फसलों के वास्तविक उत्पादन का आकलन करने के लिए चल रहे क्रॉप कटिंग प्रयोग के तहत शुक्रवार को जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने तहसील ज्ञानपुर के ग्राम पाली में गेहूं की फसल की कटाई कराकर उपज का परीक्षण किया।जिलाधिकारी ने किसान श्रीमती पान देवी और शीतला प्रसाद के खेत में 43.3 वर्ग मीटर

निर्धारित क्षेत्र में फसल की कटाई कराई और थ्रेसिंग के बाद उत्पादन का आंकलन किया। इस दौरान क्रमशः 18.02 किलोग्राम और 14.71 किलोग्राम गेहूं प्राप्त हुआ। इसके आधार पर औसत उत्पादन लगभग 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर आंका गया। क्रॉप कटिंग की पूरी प्रक्रिया भारत सरकार के सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से कराई गई।

## खाना बनाते समय आग की चपेट में आई विवाहिता की मौत, गैस रिसाव की आशंका

अखंड भारत संदेश

**भदोही। सुरियावां** नगर के वार्ड नंबर एक अंबेडकर नगर में खाना बनाते समय आग लगने से झुलसी विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय कुसुम गौतम गुरुवार देर शाम अपने घर में गैस पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गईं। आशंका जताई जा रही है कि गैस रिसाव के कारण हादसा हुआ। आग उनके दुपट्टे में लगने से स्थिति और गंभीर हो गई। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें भदोही स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां

उपचार के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।बताया गया कि कुसुम गौतम की शादी अप्रैल 2025 में जौनपुर जिले के आलमगंज क्षेत्र के शिवगढ़ गांव से सुरियावां के अंबेडकर नगर निवासी कुलदीप गौतम के साथ हुई थी।

## तीन वर्ष से प्लेटफार्म पर निष्प्रयोज्य टंकी का मलबा पड़े रहने से आवा गमन में परेशानी

अखंड भारत संदेश

**सुरियावां। उत्तर** रेलवे के वाराणसी जंघई रेलखंड मार्ग के सुरियांवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर निष्प्रयोज्य पानी की टंकी का मलबा 3 वर्ष से टूट कर गिर पड़ा है परंतु अभी तक हटाया नहीं गया है जिसे आवा गमन में यात्रियों को अंधेरे में ठोकर लगने का डर बना रहता है। अंग्रेजों की जमाने में बना यह पानी का टंकी यात्रियों को प्यास बुझाने में काफी सहायक साबित हो रहा था। रेल विभाग उत्तर पानी टंकी को निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया था। 3 वर्ष पहले टंकी के ऊपर छत पर आंधी में पेड़ गिर पड़ा था जिससे टीन शेड सहित टंकी का छत टूट कर नीचे गिर पड़ा है परंतु आज तक न मलबा हटाया गया और न ही टीन शेड की मरम्मत हो

पाई है। अंधेरे में यात्रियों को ठोकर लगकर गिरते पड़ते हैं। उद्योग व्यापार मंडल के तहसील अध्यक्ष शेषधर गुप्ता ने रेल विभाग के उच्च अधिकारी से निष्प्रयोज्य हो चुके छति ग्रस्त टंकी एवं मलबा हटाए जाने की मांग की है।

## गुड फ्राइडे पर चर्च में विशेष प्रार्थना, प्रभु यीशु के बलिदान को किया नमन

अखंड भारत संदेश

**गोपीगंज (भदोही)। नगर** स्थित चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर को ईसाई समुदाय ने बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए प्रभु यीशु के त्याग और बलिदान को याद किया।

चर्च में आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्रार्थना के दौरान प्रभु यीशु के जीवन और उनके द्वारा मानवता के लिए दिए गए बलिदान पर प्रकाश डाला गया। पादरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रभु यीशु ने मानव जाति के पापों को अपने ऊपर लेकर उन्हें मुक्ति का

मार्ग दिखाया।

उन्होंने बताया कि इसी दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था। गुड फ्राइडे को ईसाई धर्म में विशेष महत्व प्राप्त है और इसे ईस्टर रविवार से तीन दिन पहले मनाया जाता है। ईस्टर के दिन प्रभु यीशु के पुनर्जीवित होने की मान्यता है, जो आस्था का प्रमुख आधार है। प्रार्थना सभा के बाद शोक सभा का भी आयोजन किया गया।

## अवैध रूप से चल रहे क्लिनिक पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, स्वास्थ्य विभाग ने किया सील

**सुल्तानपुर। चांदा** क्षेत्र में गुरुवार को प्रशासन ने अवैध चिकित्सा केंद्रों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। पीपी कमैचा इलाके के हनुमान नगर, कोइरीपुर में संचालित ह्यआर्या क्लिनिकह्न पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारकर उसे सील कर दिया।इस कार्रवाई का नेतृत्व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.पी. त्रिपाठी ने किया। उनके साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा के अधीक्षक डॉ. आर.सी. यादव सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कोतवाली चांदा पुलिस भी मौके पर तैनात रही।जांच के दौरान

क्लिनिक में कई गंभीर खामियां पाई गईं। अधिकारियों के अनुसार यह केंद्र बिना आवश्यक अनुमति और वैध दस्तावेजों के संचालित हो रहा था। आवश्यक कागजात प्रस्तुत न किए जाने पर टीम ने तत्काल क्लिनिक को बंद कर सील कर दिया।बताया जा रहा है कि इस क्लिनिक का संचालन राय साहब गौतम कर रहे थे। प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से इलाके में हलचल मच गई।

## आबकारी निरीक्षक की दबिश में 24 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

**सुल्तानपुर** आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी मह सुल्तानपुर ,उप आबकारी आयुक्त, अयोध्या प्रभार के निदेर्शानुसार जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र वर्मा के पर्यवेक्षण में संजय कुमार श्रीवास्तव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 लम्भुआ तथा कोतवाली चांदा के उप निरीक्षक शंकर बक्श सिंह हमराह सिपाहियों की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम मदनपुर देवरार थाना कोतवाली चांदा में दबिश दी गयी। संयुक्त टीम द्वारा लगभग 24 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गयी तथा मौके पर 140 किग्रा० लहन नष्ट करते हुये कुल 01

अभियोग उत्तर प्रदेश आबकारी एक्ट की सुसंगत धारा में पंजीकृत किए गए। टीम द्वारा लोगों से अपील की गयी कि वह किसी भी प्रकार से अवैध शराब का सेवन ना करें यह उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित वन्दना ढाबा, जय बजरंग आदि ढाबो को भी चेक किया गया।

## दोस्तपुर में ग्राम नारामधईपुर की ग्राम सभा भूमि पर भू-माफिया का कब्जा, विकास योजनाएं ठप

**सुल्तानपुर** जिले के दोस्तपुर विकास खंड के अंतर्गत ग्राम नारामधईपुर में ग्राम सभा की बहुमूल्य सरकारी जमीनों पर भू-माफियाओं का अवैध कब्जा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रशासन की कथित शिथिलता और उदासीनता के कारण यह कब्जा लंबे समय से जारी है, जिसके चलते गांव में खेल घर, खुला जिम, बारात घर जैसी जरूरी सामुदायिक सुविधाएं और विकास योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं।ग्राम नारामधईपुर के स्थानीय निवासी बताते हैं कि ग्राम सभा की जमीनें वर्षों से भू-माफियाओं के कब्जे में हैं। इन भूमियों पर खेल मैदान, जिम सुविधा, बारात घर और अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्यों की योजनाएं कई बार प्रस्तावित की गईं, लेकिन कब्जे के कारण ये योजनाएं रुक गई हैं। ग्रामीणों ने राजस्व विभाग और प्रशासन को बार-बार शिकायतें दीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से माफियाओं का हौसला बढ़ता जा रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि भू-माफियाओं की मिलीभगत से राजस्व अधिकारियों की शिथिलता जिम्मेदार है। सुल्तानपुर जिले में ग्राम सभा भूमि पर कब्जे के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं, जहां प्रशासन को बार-बार हस्तक्षेप के लिए गुहार लगानी पड़ती है। नारामधईपुर में भी यही स्थिति बनी हुई है।

# चांदी बंगर जल योजना का निरीक्षण सुधार हेतु सख्त निर्देश जारी

- कुछ तकनीकी कमियां चिन्हित
- शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

**अखंड भारत संदेश**

ग्रामीणों के सामने परियोजना का निरीक्षण करते अधिकारीगण

**चित्रकूट।** जिले की धरती पर हर घर जल का सपना अब हकीकत की दहलीज पर खड़ा है, लेकिन हकीकत के इस आईने में कुछ दरारें भी साफ दिख रही हैं। चांदी बंगर समूह ग्रामीण पेयजल योजना (जोन-37 एवं जोन-67) के ताजा स्थलीय निरीक्षण ने जहां एक ओर विकास की चमक दिखाई, वहीं दूसरी ओर सिस्टम की सुस्ती और तकनीकी खामियों की परतें भी खोल दीं। बछरन और सिकरिया जोन में हजारों मीटर पाइपलाइन बिछ चुकी है, सैकड़ों घरों तक नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं और विशाल ओवरहेड टैंक खड़े हैं, लेकिन सवाल है कि जब ढांचा तैयार है, तो पानी क्यों नहीं बह रहा? ग्राम गोरा कोनी में 6-8 महीने से जलापूर्ति ठप रहना इस योजना पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। निरीक्षण में सामने आया कि ओएचटी में सीपेज, हाइड्रोलिक असंतुलन और निगरानी की कमी ने पूरे सिस्टम को कमजोर कर दिया है। सिकरिया और बक्टा बुजुर्ग जैसे गांवों में आंशिक आपूर्ति यह बताती है कि योजना की सफलता अभी अधूरी है। हैरानी की बात यह रही कि जरूरी रजिस्टर तक मौके पर मौजूद नहीं मिले, जिससे जवाबदेही पर भी सवाल उठे। हालांकि, सख्त तेवर में प्रशासन ने एलएंडटी, जल निगम और टीपीआई एजेंसी को फटकार लगाते हुए तत्काल मरम्मत, संतुलित जल वितरण और शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही यह योजना मॉडल सक्सेस स्टोरी बनेगी। अब देखना यह है कि कागजों का विकास जमीन पर पानी बनकर बहता है या फिर योजनाएं फाइलों में ही सूख जाती हैं। निरीक्षण में जूनियर इंजीनियर उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) चित्रकूट अभिजीत यादव, एसएंडटी कंपनी के कन्सट्रक्शन मैनेजर विपिन पांडे तथा थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी (टीपीआई) के साइट इंचसर्ज अमर पांडे उपस्थित रहे।

## कर्वी में 6 अप्रैल को क्षेत्र पंचायत बैठक, विभिन्न योजनाओं की होगी समीक्षा

**चित्रकूट।** कर्वी में विकास की धड़कनों को तेज करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। 6 अप्रैल को तहसील सभागार में होने वाली क्षेत्र पंचायत बैठक केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसमस्याओं के समाधान का रणक्षेत्र साबित हो सकती है। खंड विकास अधिकारी महिमा विद्यार्थी के अनुसार प्रमुख श्रीमती गोमती देवी की अध्यक्षता में शिक्षा, पेयजल, विद्युत, सिंचाई, आवास, रोजगार और पेंशन योजनाओं की गहन समीक्षा होगी। सवाल है कि क्या इस बार कागजी योजनाएं जमीन पर उतरेंगी या फिर फाइलों में ही दम तोड़ देंगी? जनता की निगाहें अब इस बैठक पर टिकी हैं।

# स्टे की आड़ में चकबंदी जमीन पर कब्जे का खेल, ग्राम सचिव पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

- सत्ता की छांव में दुकानदारी?
- जमीन पर दुकानदारी, सिस्टम मौन

**अखंड भारत संदेश**

**राजापुर/चित्रकूट।** राजापुर तहसील अंतर्गत ग्राम नंदिन कुर्मियान में चकबंदी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला अब केवल जमीन का विवाद नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग और सिस्टम की सुस्ती का आईना बनता दिख रहा है। आरोप है कि मेवा लाल पुत्र कृष्ण अवतार और उनके पुत्र कमलाकर ने चकबंदी आदेशों को दरकिनार कर वर्षों से भूमि पर कब्जा जमाए रखा है। हैरानी की बात यह है कि 2003 के एक पुराने स्टे आदेश को ढाल बनाकर इस कब्जे को वैधता का जामा पहनाया जा रहा है, जबकि उसकी वर्तमान स्थिति खुद सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों के मुताबिक, इस भूमि पर सड़क किनारे अवैध दुकानों की कतार खड़ी कर दी गई है और ईंट निर्माण का कारोबार भी खुलेआम चल रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तब खड़ा होता है जब कमलाकर, जो वर्तमान में ग्राम पंचायत सचिव हैं, पर अपने पद का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए करने का आरोप लगता है। यह मामला अब केवल कब्जे तक सीमित नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और हितों के टकराव की बू भी देने लगा है। शिकायतकर्ता ने आईजीआरएस पोर्टल पर गुहार लगाते हुए भूमि की पैमाइश, स्टे आदेश की जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लेकिन प्रशासनिक चुप्पी ने ग्रामीणों के आक्रोश को और हवा दे दी है। सवाल है कि क्या सिस्टम की नींद टूटेगी या फिर कागजों का खेल जमीन की सच्चाई को यूं ही दबाता रहेगा?

# जय श्रीराम के गगनभेदी के नारों से गूंजा मऊ, हनुमत जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

- शोभायात्रा बनी आस्था का महासंग्राम
- डीजे, जयघोष व झांकियों ने मचाया धूम

**अखंड भारत संदेश**

शोभा यात्रा में शामिल मऊ एसडीएम राम ऋषि रमन एवं थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव

**चित्रकूट।** हनुमत जयंती की संध्या पर मऊ नगर मानो भक्ति के सागर में डूब गया, जहां हर गली, हर चौराहा जय श्रीराम और जय बजरंगबली के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। नगर पंचायत मऊ में बजरंग दल प्रखंड की अगुवाई में निकली भव्य शोभायात्रा ने आस्था और उत्साह का ऐसा संगम रचा कि पूरा नगर धर्ममय उल्लास में सराबोर नजर आया। सजे-धजे रथ पर विराजमान भगवान श्रीराम और पवनपुत्र हनुमान की मनोहारी झांकियों ने श्रद्धालुओं के मन को मोह लिया, जबकि डीजे की धुन पर थिरकते युवा और जयघोष लगाते भक्त इस यात्रा को जनआस्था का विराट उत्सव बना रहे थे। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ- कहीं आरती उतारी गई तो कहीं पुष्पवर्षा से श्रद्धा का इजहार हुआ। सेवा और समर्पण की मिसाल पेश करते हुए विभिन्न स्थानों पर जलपान और पेय पदार्थों की व्यवस्था भी की गई, जिसमें श्री भागवत मंडल संस्कृत विद्यालय के प्राचार्य आनंद राज त्रिपाठी, समाजसेवी शादाब गनी और युवा अर्पित बाजपेई की विशेष भूमिका रही। इस दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही, जहां प्रशासन और पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात नजर आया, जिससे श्रद्धालुओं ने निर्भय होकर इस आध्यात्मिक उत्सव का आनंद लिया। इस मौके पर मऊ एसडीएम राम ऋषि रमन, थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव, क्राइम इंस्पेक्टर अंजनी कुमार सिंह, एसआई मुन्नीलाल, एसआई शाहनवाज खां, एसआई अभिषेक वर्मा, कांस्टेबल बृजेश यादव, सोनपाल, पुष्पेंद्र सहित मऊ थाने की पुलिस फोर्स मुस्तैद रही।

# जिले में पहली बार कश्यप जयंती का महासंगम बाइक-नौका रैली से गूंजेगा शहर

- बाइक से घाट तक गूंजेगी आस्था
- रैली और आरती से दिखेगी भव्यता

**चित्रकूट।** जिले की पावन धरती इस बार आस्था, उत्साह और सामाजिक चेतना के अद्भुत संगम की साक्षी बनने जा रही है, जब पहली बार महर्षि कश्यप सेवा संस्थान के तत्वावधान में महर्षि कश्यप जयंती को भव्यता के साथ मनाने की तैयारी अपने चरम पर है। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का एक सशक्त प्रयास बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे पूजन-अर्चन एवं प्रसाद वितरण से होगा, जिसके बाद समाज के नवचयनित जनप्रतिनिधियों, मेधावी छात्रों और समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि सीताराम बाथम और विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र गुप्ता की उपस्थिति आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान करेगी। शाम 4 बजे निकलने वाली भव्य बाइक रैली जब कामतानाथ मंदिर के द्वार तक पहुंचेगी, तो सड़कों पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ेगा। इसके पश्चात रामघाट पर नौका रैली और मंदाकिनी आरती का दिव्य दृश्य श्रद्धालुओं को भावविभोर कर देगा। संस्थान के प्रबंध निदेशक एमएल रैकवार ने समाज से एक बुराई त्यागने और एक अच्छाई अपनाने का संकल्प लेने की अपील की है।

## आसमान बना काल : चित्रकूट में बिजली गिरते ही तीन जिंदगियां बुझीं, गांव में मातम

**चित्रकूट।** जनपद के भरतकूप थाना क्षेत्र के पतौड़ा गांव में शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे मौसम की एक करवट ने खुशहाल माहौल को मातम में बदल दिया। तेज हवाओं और बारिश के बीच अचानक गिरी आकाशीय बिजली ने चार बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। चीख-पुकार के बीच ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो बच्चे अचेत अवस्था में पड़े थे। आनन-फानन में सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगा ले जाया गया, जहां 16 वर्षीय विकास और 14 वर्षीय करन को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दो अन्य बच्चे जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं, जिनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। उधर, मानिकपुर ब्लाक के कुई ग्राम पंचायत में 48 वर्षीय राजपति देवी भी बिजली गिरने से झुलस गईं और अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस और राजस्व टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई में जुट गई है, जबकि गांव में मातम और सन्नाटा पसरा है। वहीं इस संबध में सीएम योगी ने संज्ञान लेते हुए उचित मुआवजा देने का ऐलान किया है।

## अश्लील गाना पड़ा भारी- मऊ न्यायालय ने आरोपी को 1000 रुपये अर्थदंड दिया

**मऊ/चित्रकूट।** मऊ के न्यायालय से आज एक ऐसा फैसला आया, जिसने सड़कों पर महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों को सीधा संदेश दे दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट एस आनंद की अदालत ने एक महिला को देखकर अश्लील गाना गाने और अभद्र टिप्पणी करने के आरोपी रामू प्रसाद प्रजापति को दोषी ठहराते हुए 1000 रुपये का अर्थदंड सुनाया। यह मामला बरगढ़ थाना क्षेत्र से जुड़ा था, जहां आरोपी की हरकत ने समाज की मयार्दा को चुनौती दी थी। उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए सशक्त पैरवी की गई। प्रभारी निरीक्षक शिवआसरे और आरक्षी सुलभ पटेल की मेहनत के साथ सहायक अभियोजन अधिकारी सिद्धार्थ सिंह की प्रभावी दलीलों ने अदालत में केस को मजबूती दी। अंततः न्याय ने यह साबित कर दिया कि अब सड़कों पर अभद्रता करने वालों की खैर नहीं।

# 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिकाधिक मामलों के निस्तारण पर जोर

जानकारी देती सचिव इला चौधरी

**चित्रकूट।** जिले में न्याय को सरल और सुलभ बनाने की एक बड़ी कवायद शुरू हो चुकी है। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर 9 मई को आयोजित होने वाली द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कमर कस ली है। जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में सचिव इला चौधरी ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक कर इस न्यायिक अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि इस लोक अदालत के माध्यम से आपराधिक, बैंक, बिजली, पारिवारिक, मोटर दुर्घटना, भूमि और राजस्व समेत सैकड़ों प्रकार के मामलों का त्वरित निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा। खास बात यह है कि प्री-लिटिगेशन मामलों को भी शामिल कर न्यायालयों का बोझ कम करने और आमजन को राहत देने की दिशा में यह पहल निर्णायक साबित हो सकती है।

## राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 6 से 20 अप्रैल तक राशन वितरण

**चित्रकूट।** जिले में अप्रैल का महीना गरीबों के लिए राहत की सौगात लेकर आया है। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि 6 अप्रैल से 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को निशुल्क राशन वितरित किया जाएगा। अंत्योदय कार्ड पर 35 किलो खाद्यान्न और पात्र गृहस्थी को प्रति यूनिट 5 किलो अनाज मिलेगा। पोर्टेबिलिटी सुविधा से लाभार्थी कहीं से भी राशन ले सकेंगे, जबकि आधार प्रमाणीकरण न होने पर ओटीपी से वितरण होगा। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि बायोमेट्रिक के तुरंत बाद राशन दिया जाए और निगरानी के लिए नोडल अधिकारी भी तैनात हैं। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या यह मुफ्त राशन वाकई भूख मिटाएगा या फिर सिस्टम की खामियां फिर उजागर होंगी।

# डिजिटल दस्तक से चमका चित्रकूट, अब सर्किट हाउस बुकिंग हुई पूरी तरह ऑनलाइन

बुकिंग के लिए सर्किट हाउस के रुम

**चित्रकूट।** जिले में अब मेहमाननवाजी का अंदाज भी डिजिटल हो गया है। देवांगना रोड स्थित नवीन सर्किट हाउस की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर प्रशासन ने पारदर्शिता और सुविधा की नई मिसाल पेश की है। 13 कमरों वाले इस सर्किट हाउस में 4 कक्ष प्रशासन के लिए आरक्षित रहेंगे, जबकि 9 कक्ष आम नागरिकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। अब देश-विदेश का कोई भी पर्यटक निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर आसानी से कमरा बुक कर सकेगा। सरकारी अधिकारियों के लिए 500 से 700 रुपए , निजी कार्य हेतु 800 से 1000 रुपए, आम पर्यटकों के लिए 2500 रुपए और विदेशी मेहमानों के लिए 3500 रुपए शुल्क तय किया गया है। बुकिंग केवल ऑनलाइन माध्यम से होगी और चेक-इन पर पहचान पत्र अनिवार्य रहेगा। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से चित्रकूट में पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज व पारदर्शी आवास सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इच्छुक व्यक्ति गेस्टहाउस डॉट यूपीपीडबलूडी डॉट इन पर जाकर बुक कर सकता है।

# ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हनुमान जयंती श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई

**चित्रकूट।** जिले के महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में हनुमान जयंती का आयोजन श्रद्धा और उल्लास की ऐसी छटा बिखेर गया, मानो भक्ति स्वयं आकाश से उतर आई हो। श्री हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजन, अर्चन, हवन, आरती और हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ ने पूरे परिसर को रामभक्ति में सराबोर कर दिया। कुलगुरु प्रो आलोक चौबे स्वयं उपस्थित रहकर विद्यार्थियों के साथ पूजा में सहभागी बने, जिससे आयोजन को विशेष गरिमा मिली। बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र अपार सिंह तोमर और अंकुश मिश्रा के संयोजन में विद्यार्थियों ने अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। खास बात यह रही कि विद्यार्थियों ने श्रमदान कर मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। रंग-बिरंगी सजावट से सजा परिसर मानो उत्सव का जीवंत प्रतीक बन गया। शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं की सहभागिता ने इसे आस्था, एकता और सामाजिक चेतना का प्रेरक आयोजन बना दिया।

हनुमान जयंती पर यज्ञ करते ग्रामोदय विद्यालय के अधिकारीगण

# आंख में घुसा कीड़ा बना मौत का कारण बाइक-ट्रैक्टर भिड़ंत में युवक की मौत

**मऊ/चित्रकूट।** क्षेत्र की सड़कों पर गुरुवार रात किस्मत ने ऐसा करवट ली कि एक मामूली सा कीड़ा मौत का पैगाम बन गया। छिवलहा गांव निवासी पिंटू रविदास उर्फ मंगल रविदास अपने साथी के साथ रिश्तेदारी से लौट रहे थे, तभी मोहनी गांव के पेट्रोल पंप के पास अचानक उसकी आंख में कीड़ा घुस गया। एक पल के लिए डगमगाया संतुलन, और अगले ही क्षण जिंदगी पटरी से उतर गई। अनियंत्रित बाइक सामने से आ रहे अज्ञात ट्रैक्टर से जा टकराई, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने पिंटू को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसका साथी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तैयारी शुरू कर दी है।

## किसानों से सीधे चना, मसूर व सरसों की खरीद के निर्देश जारी

**चित्रकूट।** रबी सीजन 2026-27 में किसानों को बड़ी राहत देते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर पीसीएफ ने चित्रकूट में दलहन-तिलहन खरीद की प्रक्रिया तेज कर दी है। मऊ के वसिला मंडी और कर्वी मंडी में क्रय केंद्र खोल दिए गए हैं, जहां चना, मसूर और सरसों की खरीद सीधे किसानों से होगी, जिससे बिचौलियों पर लगाम और किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद जगी है।

# ईरान की खुली धमकी ने हिलाई दुनिया

**ईरान**

**ईरान** अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनियों पर हमले की तैयारी कर रहा है। ईरान के निशाने पर Google, Apple समेत 18 बड़ी अमेरिकी कंपनियां हैं। जैसे ही यह खुलासा सामने आया, कर्मचारियों को दफ्तर छोड़ने का अलर्ट जारी कर दिया गया। तो क्या वाकई रात में मिडिल ईस्ट में इन कंपनियों पर हमला होने वाला है? क्या यह जंग अब टेक कंपनियों तक पहुंच गई है? आखिर क्यों ईरान ने सीधे इन ग्लोबल दिग्गजों को निशाने पर लिया है? दरअसल ईरान की सेना और खासतौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉब्स ने एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान जारी किया है। इस बयान में यह कहा गया कि 1 अप्रैल को तेहरान समय के मुताबिक रात 8:00 बजे से मिडिल ईस्ट में मौजूद 18 अमेरिकी कंपनियों के ऑफिस निशाने पर होंगे। इन कंपनियों में शामिल है Microsoft, मेटा प्लेटफॉर्म्स, Tesla, Being, Intel, Sisco, डेल टेक्नोलॉजीस, कई अन्य बड़ी कंपनियां। इतना ही नहीं ईरान ने यह साफ कहा है कि इन कंपनियों के दफ्तरों के आसपास 1 कि.मी. का इलाका खाली करा दिया जाए और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकलने की चेतावनी भी दे दी गई है। सवाल यह है कि इन कंपनियों को ही क्यों निशाना बना रहा है ईरान? ईरान का आरोप है कि यह कंपनियां अमेरिकी और इजराइली सैन्य ऑपरेशंस में मदद कर रही है। खासकर एआई और टेक्नोलॉजी के जरिए ड्रोंस टारगेटिंग और निगरानी सिस्टम में भूमिका निभा रही है। और यही वजह है कि ओपन एआई और एंथ्रोफिक जैसी एआई कंपनियों का नाम भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। अब समझिए इस धमकी का टाइमिंग। यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब हाल ही में ईरान के एक वरिष्ठ सैनी अधिकारी की मौत हुई। जिसे ईरान ने अमेरिकी इजरायली हमले का नतीजा बताया। इसके बाद ईरान ने यह साफ कहा कि हर टारगेट किलिंग का बदला लिया जाएगा और अब जवाब सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहेगा। यहां सबसे बड़ा खतरा क्या है? अब आप उसे समझिए। अब तक जंग दोनों देशों के बीच थी।

लेकिन अगर कॉर्पोरेट और टेक कंपनियां सीधे निशाने पर आती है तो इसका सीधा मतलब यह हुआ कि ग्लोबल इकॉनमी पर असर पड़ेगा। टैक सेक्टर में अस्थिरता आएगी और दुनिया भर में सप्लाई चेन का बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। तो क्या आज रात वाकई कुछ बड़ा होने वाला है या यह सिर्फ एक दबाव बनाने की रणनीति ईरान ने अपनाई है।

# हम 7000 साल पुरानी सभ्यता

**अमेरिका**

**अमेरिकी** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को 'पाषाण युग' कहने की धमकी के बाद, तेहरान ने इस कटाक्ष को पलटते हुए वाशिंगटन पर पाषाण युग के अपराधों को आधुनिक दुनिया में लाने का आरोप लगाया है। भारत में ईरानी दूतावास के आधिकारिक एक्स चैनल पर जारी एक बयान में तेहरान ने कहा कि अमेरिका और इजराइल की बमबारी से उसे "पाषाण युग में वापस नहीं धकेला जा सकता। बयान में आगे कहा गया कि हम सात हजार वर्षों की सभ्यता वाला राष्ट्र हैं। इतिहास हमें भली-भांति जानता है। यह स्पष्ट है कि बच्चों की हत्या और मानवता के विरुद्ध अपराधों को पाषाण युग से आधुनिक युग तक लाने वाले आप ही हैं। इसके अलावा, आईआरजीसी कमांडर ब्रिगेडियर जनरल सैयद माजिद मूसावी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिका को अपने सैनिकों को मौत के मुंह में भेजने के लिए लताड़ा।

उन्होंने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के पत्थर युग में वापसी वाले पोस्ट के जवाब में एक्स पर लिखा, अपने सैनिकों को मौत के मुंह में ले जा रहे आप खुद हैं, ईरान नहीं, जिसे आप पाषाण युग में वापस धकेलना चाहते हैं। हॉलीवुड

के भ्रम ने आपके दिमाग को इतना दूषित कर दिया है कि आप अपने तुच्छ 250 साल के इतिहास के बल पर 6,000 साल से अधिक पुरानी सभ्यता को खतरा पहुंचा रहे हैं। आज राष्ट्र के नाम अपने बहुप्रतीक्षित संबोधन में डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यद्यपि अमेरिका ने अपने उद्देश्यों को पूरा कर लिया है, फिर भी वाशिंगटन ईरान भर में विभिन्न ठिकानों को निशाना बनाना जारी रखेगा। इन उद्देश्यों की स्पष्टता न होने के कारण, ट्रंप ने कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर "बेहद कड़ा प्रहार" किया जाएगा और उसे पाषाण युग में वापस भेज दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने जो प्रगति की है, उसके लिए धन्यवाद, मैं आज रात कह सकता हूँ कि हम अमेरिका के सभी सैन्य उद्देश्यों को जल्द ही पूरा करने की राह पर हैं। बहुत जल्द। हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बेहद कड़ा प्रहार करने जा रहे हैं। हम उन्हें पाषाण युग में वापस भेज देंगे, जहाँ वे वास्तव में होने चाहिए।

# 6 लाख भारतीयों की 'वतन वापसी', सरकार ने दी अहम जानकारी

**पश्चिम एशिया**

**पश्चिम** एशिया और खाड़ी क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच लगभग 5,98,000 यात्री भारत लौट चुके हैं। यह जानकारी बुधवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। उन्होंने यह भी बताया कि कल दुबई में विमान के मलबे के गिरने से तीन भारतीय नागरिकों को मामूली चोटें आईं और दूतावास उनसे लगातार संपर्क में है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। दुबई के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दक्षिणी दुबई में घरों पर विमान के मलबे के गिरने से दो भारतीय नागरिकों, एक बांग्लादेशी नागरिक और एक श्रीलंकाई नागरिक को मामूली चोटें आईं। पश्चिम एशिया में नवीनतम घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि क्षेत्र से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए अतिरिक्त उड़ानों के संचालन के साथ समग्र उड़ान स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

28 फरवरी से अब तक लगभग 5,98,000 यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। परिचालन और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के आधार पर एयरलाइंस यूएई और भारत के बीच सीमित गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि आज संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए लगभग 90 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए आज लगभग 90 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है।

# कुवैत ने भेजे 20 भारतीयों के शव, मातम में छाया एयरपोर्ट

**रूस**

**31 मार्च** की रात एक विमान भारत पहुंचा जिसमें 20 भारतीयों के ताबूत थे। यह उन लोगों के शब्द थे जो कुवैत में अलग-अलग परिस्थितियों में मारे गए। पिछले कुछ दिनों में कुवैत में अलग-अलग परिस्थितियों में मारे गए। कम से कम 20 लोगों के शव मंगलवार को एक स्पेशल विमान से कोच्ची पहुंचे। शवों को लेकर कुवैत एयरवेज का विमान रात करीब 10:40 पर सीआईएल पर उतरा। हवाई अड्डा के अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विमान सेवाओं में आई रुकावटों की वजह से इन शवों को पहले घर नहीं लाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया, पिछले कुछ दिनों में कुवैत में मारे गए और केरल तथा तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों के रहने वाले लोगों के शव मंगलवार रात को एक ही विमान से कोची लाए गए। हमें हर मामले में मौत के कारणों की

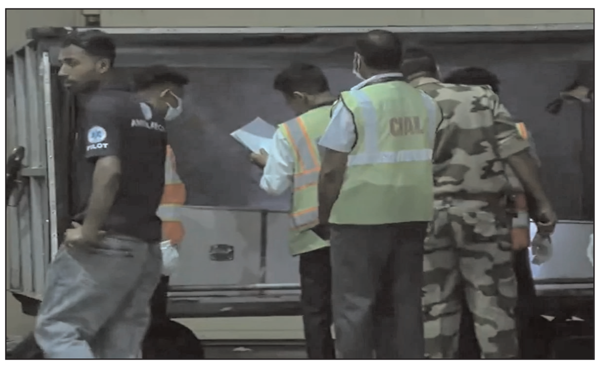

जानकारी नहीं है। जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद हम शवों को उनके परिजनों को सौंप देंगे। सीआईएल अधिकारियों ने बताया कि शवों को कुवैत से कोलंबो होते हुए एक विशेष विमान से कोची लाया गया। सीआईएल के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शवों को सौंपने से पहले की सभी औपचारिकताएं पूरी की। सीआईएल अधिकारियों के मुताबिक मृतक अल्पपुजा और कोटायम जैसे स्थानों के साथ-साथ तमिलनाडु के भी अलग-अलग हिस्सों के रहने वाले थे। कुवैत में फंसे इन पार्थिव शरीरों को वापस भारत लाने का मामला लंबे समय से अटका हुआ था। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से कुवैत से आने जाने वाली उड़ानों पर बड़ा असर पड़ा है। जिससे इन डेड बॉडीज को भारत लाने में देरी हुई। लगातार कोशिशों और औपचारिक प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद अब इन पार्थिव शरीरों को आखिरकार उनके घर लाया गया है।

# ईरानी राष्ट्रपति ने की सीजफायर की गुजारिश

**ईरान**

**डोनाल्ड** ट्रंप को दावा किया कि ईरान ने अमेरिका से चल रहे संघर्ष में युद्धविराम का अनुरोध किया है, और कहा कि इस अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब होर्मुज जलडमरूमध्य खुला, सुरक्षित और निर्मल होगा। संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक अस्पष्ट संकेत देते हुए, ट्रंप ने कहा कि जब तक ईरान की मांग पूरी नहीं हो जाती, अमेरिका ईरान को तबाह करना जारी रखेगा। दिलचस्प बात यह है कि रिपब्लिकन नेता ने ईरान के किसी विशिष्ट नेता का नाम नहीं लिया, जिसने युद्धविराम का अनुरोध किया है, हालांकि उन्होंने नए शासन के राष्ट्रपति का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि ईरान के नए शासन के राष्ट्रपति, जो अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में बहुत कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने अभी-अभी संयुक्त राज्य अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है! उन्होंने आगे कहा कि हम तभी विचार करेंगे जब होर्मुज जलडमरूमध्य खुला, सुरक्षित और निर्मल होगा।

तब तक, हम ईरान को तबाह कर देंगे या, जैसा कि वे कहते हैं, उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति का परिवहन करने वाला एक संकरा समुद्री गलियारा है, बढ़ते तनाव के बीच एक प्रमुख टकराव का केंद्र बन गया है। अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान द्वारा जलमार्ग से जहाजों के आवागमन को प्रतिबंधित करने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

# दगाबाजी से भड़के ट्रंप ने कहा- कागज के शेरों के साथ क्या रहना?

**ईरान**

**पश्चिमी** सैन्य गठबंधन नाटो के टूटने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी असंतुष्टि जाहिर करते हुए कहा है कि ईरान संघर्ष में सहयोगी देशों के शामिल न होने और सैन्य बल का इस्तेमाल करके होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद न करने के बाद अमेरिका नाटो से अलग होने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। टेलीग्राफ से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे नाटो से कभी प्रभावित नहीं हुए और हमेशा से जानते थे कि यह सिर्फ कागजी शेर है। उन्होंने आगे कहा कि अब इस रक्षा संधि से अमेरिका को हटाना असंभव है। यह अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि व्हाइट हाउस अब यूरोप को एक

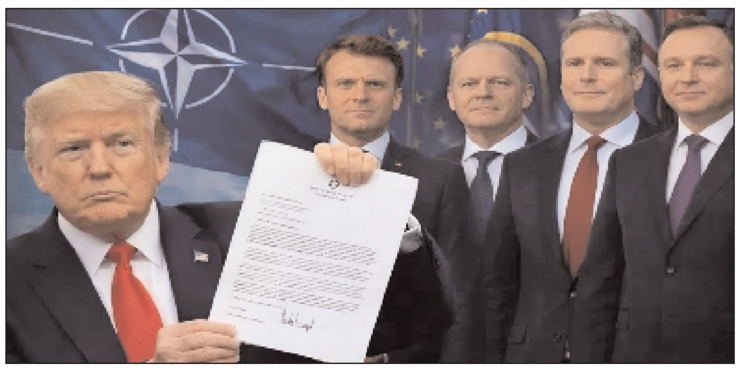

भरोसेमंद रक्षा साझेदार के रूप में नहीं देखता है, क्योंकि सहयोगी देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत तैनात करने की ट्रंप की मांग को खारिज कर दिया है।

ट्रंप नाटो से नाराज क्यों हैं?

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे संघर्ष के बाद नाटो की अमेरिकी सदस्यता पर पुनर्विचार करेंगे, तो ट्रंप ने कहा, "हाँ, बिल्कुल। मैं कहूंगा कि अब पुनर्विचार संभव नहीं है। मैं नाटो से कभी संतुष्ट नहीं था। मैं हमेशा से जानता था कि वे सिर्फ कागजी शेर हैं, और पुतिन भी यह जानते हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के देशों द्वारा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने में मदद करने से इनकार करने पर ट्रंप बेहद नाराज हैं। होर्मुज एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है जिससे होकर मध्य पूर्व से दुनिया के लगभग 30 प्रतिशत तेल और ऊर्जा की आपूर्ति होती है। 28 फरवरी को शुरू हुए मौजूदा संघर्ष के दौरान ईरान द्वारा अपने क्षेत्र पर किए गए बड़े पैमाने पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को प्रभावी रूप से अवरुद्ध कर दिया है।

ट्रंप ने नाटो को चेतावनी दी

इससे पहले, ट्रंप ने ब्रिटेन और अन्य सहयोगी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें खुद के लिए लड़ना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य से अपना तेल खुद निकालना चाहिए। यह प्रतिक्रिया ईरान के खिलाफ संघर्ष में इन देशों की निष्क्रिय प्रतिक्रिया के जवाब में थी। उन्होंने लिखा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के कारण जेट ईंधन न मिलने वाले सभी देशों, जैसे कि ब्रिटेन, जिसने ईरान को कमजोर करने में शामिल होने से इनकार कर दिया, के लिए मेरा एक सुझाव है: पहला, अमेरिका से खरीदें, हमारे पास पर्याप्त मात्रा में है, और दूसरा, कुछ देर के लिए हिम्मत जुटाएं, जलडमरूमध्य पर जाएं और उस पर कब्जा कर लें।

# क्या होगा ट्रंप का अगला दांव? अमेरिकी राष्ट्रपति के संबोधन पर टिकी दुनिया की निगाहें

**इजराइल**

**अमेरिका** और इजराइल ने ईरान पर हमला किया और पहले ही दिन उन्हें बड़ी सफलता (सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या) मिली, तो ट्रंप समेत सभी को लगा कि ईरान घुटने टेक देगा और युद्ध कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगा।

लेकिन 33 दिन बीत चुके हैं और ईरान अड़ा हुआ है, अमेरिका की मांगों को सिरे से खारिज कर रहा है और ट्रंप के दावों को झूठा बता रहा है, जिससे ट्रंप के पास कोई विकल्प नहीं बचा है। अब ट्रंप ने कहा है कि युद्ध दो हफ्तों में समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द रवाना होंगे और आगे कहा कि वापसी "दो सप्ताह के भीतर, शायद दो सप्ताह में या शायद तीन सप्ताह में हो सकती है। ट्रम्प के बयान के तुरंत बाद, व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1 अप्रैल को पूर्वी मानक समय के अनुसार रात 9 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के कारण, दुनिया भर में तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है और बाजार हर दिन नई अनिश्चितताओं में डूब रहे हैं। अब, दुनिया ट्रम्प की अगली घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

तो क्या युद्ध समाप्त होगा? जब तक यह निर्णय डोनाल्ड ट्रम्प जैसे अप्रत्याशित व्यक्ति के हाथों में है, तब तक भविष्यवाणी करने के सभी प्रयास व्यर्थ होंगे। लगातार मीडिया में बयानबाजी और अपने खास अंदाज में बड़े अक्षरों में लिखे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर बार-बार दबाव डाला है कि वह समझौता करे या गंभीर परिणामों का सामना करे। कुछ ही दिन पहले, उन्होंने अपनी अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते का पालन नहीं करता है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों, तेल कुओं और महत्वपूर्ण तेल केंद्र खारग द्वीप को पूरी तरह से नष्ट कर देगा। 31 मार्च को अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान समझौता नहीं करता है। तो युद्ध और तीव्र हो

# क्या होगा ट्रंप का अगला दांव?

**अमेरिका**

**अमेरिका** और इजराइल ने ईरान पर हमला किया और पहले ही दिन उन्हें बड़ी सफलता (सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या) मिली, तो ट्रंप समेत सभी को लगा कि ईरान घुटने टेक देगा और युद्ध कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगा। लेकिन 33 दिन बीत चुके हैं और ईरान अड़ा हुआ है, अमेरिका की मांगों को सिरे से खारिज कर रहा है और ट्रंप के दावों को झूठा बता रहा है, जिससे ट्रंप के पास कोई विकल्प नहीं बचा है। अब ट्रंप ने कहा है कि युद्ध दो हफ्तों में समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द रवाना होंगे और आगे कहा कि वापसी "दो सप्ताह के भीतर, शायद दो सप्ताह में या शायद तीन सप्ताह में हो सकती है। ट्रम्प के बयान के तुरंत बाद, व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1 अप्रैल को पूर्वी मानक समय के अनुसार रात 9 बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के कारण, दुनिया भर में तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है और बाजार हर दिन नई अनिश्चितताओं में डूब रहे हैं। अब, दुनिया ट्रम्प की अगली घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

तो क्या युद्ध समाप्त होगा? जब तक यह निर्णय डोनाल्ड ट्रम्प जैसे अप्रत्याशित व्यक्ति के हाथों में है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

# 6 लाख बैरल तेल लेकर ईरानी जहाज भारत के लिए रवाना

**अमेरिका**

**करीब** 5 साल बाद भारत और ईरान के बीच तेल व्यापार फिर से शुरू हो चुका है। साल 2019 के बाद पहली बार ईरान का कच्चा तेल लेकर एक जहाज भारत की ओर बढ़ रहा है जो गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पर पहुंचने वाला है। यह जहाज पिंग शून करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर आ रहा है। बड़ी बात यह है कि यह डील ऐसे वक्त पर हो रही है जब दुनिया भर में तेल की कीमतें ऊपर नीचे हो रही हैं और सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है। स्टेट ऑफ होर्मूज पर बवाल ईरान इजराइल युद्ध और इस बीच भारत ईरान का तेल आना यह अपने आप में एक बड़ी बात है। भारत का यह कदम काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल अमेरिका ने हाल ही में समुद्र में मौजूद ईरानी तेल की खरीद पर 30 दिनों की अस्थाई छूट दी। इसी छूट का फायदा उठाते हुए यह कारगो भारत भेजा गया। माना जा रहा है कि यह छूट वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए दी गई। वहीं जानकारी के मुताबिक यह तेल ईरान के खार गालैंड से मार्च की शुरूआत में रवाना हुआ था और 4 अप्रैल के आसपास गुजरात पहुंच सकता है।

आपको बता दें यह तेल बाडिनार बंदरगाह पर पहुंचेगा। बनार बंदरगाह भारत के लिए काफी अहम क्योंकि यहां बड़ी रिफाइनरिया मौजूद हैं। इसमें नायरा एनर्जी की बड़ी रिफाइनरी शामिल है जो रूस की कंपनी रजनेफ के समर्थन से चलती है। इसके अलावा यह पोर्ट भारत पेट्रोलियम कोऑपरेशन लिमिटेड जैसी कंपनियों के लिए भी सप्लाई का एक बड़ा केंद्र है।

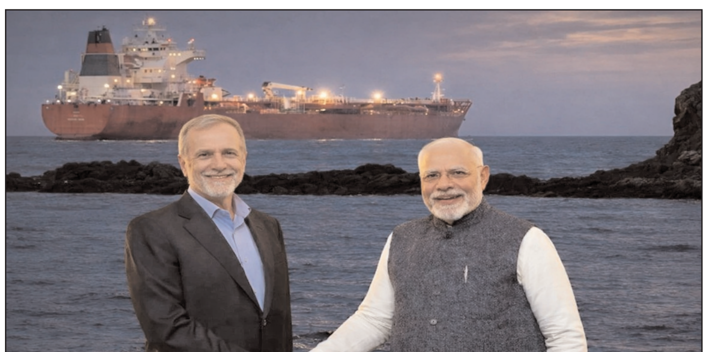

अच्छा आपको बता दें भारत कभी ईरान के तेल का बड़ा खरीदार हुआ करता था। एक वक्त ऐसा भी था जब भारत के कुल तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी 11% से ज्यादा थी। ईरानी तेल भारत की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त भी माना जाता था और इसकी कीमतें भी अक्सर अनुकूल रहती थी। लेकिन साल 2018 में अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों के बाद भारत को मई 2019 से ईरान से तेल खरीद पूरी तरह बंद करनी पड़ी। इसके बाद भारत ने अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए दूसरे देश जैसे मध्य पूर्व अमेरिका और रूस के सप्लायर्स की ओर रुख किया। हालांकि मौजूदा वक्त में भारत कई देशों से तेल ले रहा है। रूस से भी भारत भारी मात्रा में तेल आयात करता है। रही बात ईरान की तो आपको बता दें ईरान, इजराइल जंग और स्टेट ऑफ होमोस पर बढ़ते तनाव के बीच पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हुआ है। कई देशों में क्राइसिस देखने को भी मिल रही है और यही वजह है कि अमेरिका ने ईरानी प्रतिबंधों में कुछ समय के लिए छूट दी। अमेरिका ने इस महीने की शुरूआत में ईरानी तेल की समुद्री खरीद पर 30 दिन के लिए छूट दी थी ताकि वैश्विक बाजार में बढ़ती कीमतों को काबू किया जा सके। अनुमान है कि इस समय समुद्र में करीब 95 मिलियन बैरल ईरानी तेल मौजूद है। जिसमें से लगभग 51 मिलियन बैरल भारत के लिए उपयुक्त हो सकता है। हालांकि अभी भी कुछ चुनौतियां बनी हुई है। सबसे बड़ी समस्या भुगतान की है। क्योंकि ईरान अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम रद्दा३ से बाहर है।

पहले ईरान को यूरो में भुगतान किया जाता था और एक विदेशी बैंक इसके बीच में काम करता था। लेकिन अब यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है और फिलहाल यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि यह सिर्फ एक बार की डील है या आगे भी भारत ईरान तेल व्यापार जारी रहेगा। लेकिन इतना जरूर है कि इस एक कदम ने संकेत दे दिया है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हर विकल्प खुला रखे हुए हैं।